राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

धनुष–स्टारर नाने वरुवेन का...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

बुधवार, 21 सितंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 272 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

महाराष्ट्र में मजबूत भाजपा से सत्तारूढ़ गठबंधन को फायदा होगा: अनुराग ठाकुर

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अनुराग ठाकुर ने कहा कि महाराष्ट्र में जिन लोकसभा सीटों पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सदस्य हैं, उन क्षेत्रों में भाजपा के जनसंपर्क करने से 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन को मजबूती ही मिलेगी। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री ठाकुर ने कुछ दिन पहले ही कल्याण और मुंबई दक्षिण मध्य लोकसभा क्षेत्रों का दौरा किया था जहां से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले शिवसेना खेमे के नेता क्रमशरू श्रीकांत शिंदे और राहुल शेवाले सांसद हैं। ठाकुर के दौरे से भाजपा के सहयोगी दल में आगामी लोकसभा चुनाव में उसके भविष्य को लेकर चर्चाएं शुरू हो गयीं। श्रीकांत शिंदे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पुत्र हैं और दूसरी बार कल्याण संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर

रहे हैं, वहीं शेवाले लोकसभा में शिवसेना के नेता हैं। महाराष्ट्र के दोनों लोकसभा क्षेत्रों में ठाकुर का दौरा देश की उन 144 संसदीय सीटों पर भाजपा को मजबूत करने की पार्टी की योजना का हिस्सा है जिनमें वह 2019 के चुनाव में हार गयी थी। शिंदे खेमे की आशंकाओं को दूर करने का प्रयास करते हुए ठाकुर ने कहा कि वह संबंधित क्षेत्रों में भाजपा को मजबूत करने पर ध्यान देंगे और केंद्रीय योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन के लिए काम करेंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मजबूत भाजपा होने से गठबंधन को लाभ होगा। अगर कोई कमी रहेगी तो हम उसे दूर करेंगे। हम चुनाव से पहले, डेढ़ साल में अपने खोये हुए आधार को पाने के लिए काम कर रहे हैं।'' भाजपा ने 2019 का लोकसभा चुनाव शिवसेना के साथ गठबंधन में लड़ा था और महाराष्ट्र में 25 में से 23 सीटों पर वह जीती थी, जबकि शिवसेना 23 सीटों पर लड़ी और 18 पर उसे विजय प्राप्त हुई थी। शिवसेना में बगावत के बाद महाराष्ट्र में पार्टी के 18 में से 12 सांसद शिंदे खेमे में चले गये।

जर्मनी में भगवंत मान को प्लेन से उतारा गया या नहीं? जानें नागरिक उड्डयन मंत्री का जवाब

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान इन दिनों खूब सुर्खियों में है। दरअसल, भगवंत मान 11 से 18 सितंबर तक जर्मनी के दौरे पर थे। इन सबके बीच विपक्ष की ओर से भगवंत मान को लेकर बड़ा दावा किया गया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि नशे में धुत होने के कारण भगवंत मान को फ्रेंकफर्ट में लुफ्थांसा के विमान से उतार दिया गया। इतना ही नहीं, मान पर सीधे तौर पर आरोप लगाया गया कि वह पूरी तरह से नशे में थे जिसकी वजह से फ्लाइट उड़ान भरने में देरी हुई। विपक्ष की ओर से पूरे मामले को लेकर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भी सवाल पूछा गया। विपक्ष ने सिंधिया से पूरे मामले की जांच कर जवाब की मांग की थी। अब इस मामले में ज्योतिरादित्य सिंधिया का भी बयान सामने आ गया है। विपक्ष की मांग पर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि वह घटना अंतरराष्ट्रीय धरती पर थी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम तथ्यों की पुष्टि करें। लुफ्थांसा को डेटा देना चाहिए। मैं निश्चित रूप से मुझे भेजे गए अनुरोध के आधार पर इस पर गौर करूंगा। विपक्ष ने भगवंत मान पर नशे में होने का आरोप लगाया। विपक्ष की ओर से यह भी दावा किया गया कि भगवंत मान को आम आदमी पार्टी की कार्यकारिणी की बैठक में पहुंचना था। लेकिन वह नहीं पहुंच सके और उन्हें देरी हुई। हालांकि, आम आदमी पार्टी का दावा है कि विपक्ष का आरोप पूरी तरीके से बेबुनियाद है। आप ने कहा है कि अस्वस्थ होने की वजह से पंजाब के मुख्यमंत्री को दिल्ली लौटने में देरी हुई। विपक्ष का दावाः शिरोमणि आकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने ट्वीट कर कहा कि सह–यात्रियों के हवाले से मीडिया में आई परेशान करने वाली खबरों में कहा गया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री मान को लुफ्थांसा की उड़ान से उतार दिया गया क्योंकि वह बहुत ज्यादा नशे में थे। इससे उड़ान में चार घंटे की देरी हुई। वह 'आप' के राष्ट्रीय अधिवेशन से चूक गए। इन खबरों ने दुनिया भर के पंजाबियों को शर्मसार किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हैरानी की बात यह है कि पंजाब सरकार मुख्यमंत्री मान के बारे में इन खबरों पर चुप्पी साधे है।

दिलचस्प होती जा रही है सीमांचल की जंग, अपनी ताकत दिखाने में जुटी भाजपा, महागठबंधन ने भी बनाया यह प्लान

पटना। बिहार के सीमांचल का अखाड़ा हमेशा ही दिलचस्प रहा है। एक बार फिर से सीमांचल की राजनीति में आर–पार की लड़ाई देखने को मिल सकती है। 2020 के चुनाव में इसी सीमांचल के क्षेत्र में राजद को झटका लगा था जबकि इसी सीमांचल में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के 5 विधायकों ने जीत हासिल की थी। यह वही सीमांचल है जहां भाजपा अभी भी खुद को मजबूत करने में जुटी हुई है। कुल मिलाकर देखें तो सीमांचल अब सभी राजनीतिक दलों के लिए बेहद उपयोगी होता दिखाई दे रहा है। बीजेपी से अलग होने के बाद जहां नीतीश कुमार भी सीमांचल पर पूरी तरह फोकस कर रहे हैं। तो वहीं भाजपा गठबंधन टूटने के बाद अपनी ताकत सीमांचल में ही दिखाने की तैयारी में है। अमित शाह का दौराः भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 23–24 सितंबर को बिहार के सीमांचल दौरे पर जा रहे हैं। इस दौरान वे पूर्णिया और किशनगंज में रैली करेंगे।

माना जा रहा है कि इस रैली के दौरान अमित शाह बिहार में महागठबंधन पर निशाना साधेंगे। यह पहला मौका होगा जब सार्वजनिक तौर पर गठबंधन से अलग होने के बाद भाजपा का कोई बड़ा नेता बिहार पहुंचेगा और रैली करेगा। भाजपा की ओर से इस को लेकर तैयारियां शुरू की जा चुकी है। भाजपा के नेता लगातार अमित शाह के दौरे को लेकर तैयारी में जुटे हुए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने भी साफ तौर पर कह दिया है कि अमित शाह सीमांचल क्षेत्र में पनप रहे अलगाववाद और पीएफआई नेटवर्क को ध्वस्त करना चाहते है। यही कारण है कि वह यहां का दौरा कर रहे हैं। जो लोग तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं उनमें बेचैनी है। महागठबंधन का प्लानः दूसरी ओर अमित शाह के दौरे के बाद महागठबंधन की ओर से भी सीमांचल में जनसभा करने की तैयारी की जा रही है। अब तक की मिल रही जानकारी के मुताबिक सीमांचल के पूर्णिया, किशनगंज और कटिहार में संयुक्त जनसभा की जाएगी। जानकारी के मुताबिक तेजस्वी यादव इसका नेतृत्व करेंगे। दूसरी ओर जदयू भाजपा पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा है कि अमित शाह सीमांचल में बिहार के सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी मंशा ध्रुवीकरण की राजनीति पर है। आपको बता दें कि बिहार का सीमांचल मुस्लिम बहुल क्षेत्र है। यहां पर 40 से 70 फीसदी आबादी अल्पसंख्यकों की है। यहां बांग्लादेश घुसपैठ का भी एक बड़ा मुद्दा है।

उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कानून की वैधता बरकरार रखी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को हरियाणा सिख गुरुद्वारा (प्रबंधन) अधिनियम, 2014 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा, जिसके तहत राज्य में गुरुद्वारों के मामलों के प्रबंधन के लिए एक अलग समिति का गठन किया गया था। न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के एक सदस्य द्वारा दाखिल, हरियाणा सिख गुरुद्वारा अधिनियम को रद्द करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। शीर्ष अदालत का फैसला हरियाणा के निवासी हरभजन सिंह द्वारा 2014 में दाखिल की गई एक याचिका पर आया, जिसमें कहा गया था कि पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 की धारा 72 कहती है कि एसजीपीसी के संबंध में एक अंतर–राज्य निकाय कॉर्पोरेट के रूप में कानून बनाने का अधिकार केवल केंद्र सरकार को है और कानून में राज्य के कानून को अधिनियमित कर किसी भी विभाजन का कोई प्रावधान नहीं है। याचिका में कहा गया था कि जल्दबाजी में कानून लागू करना न केवल संवैधानिक प्रावधानों और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के वैधानिक प्रावधानों के खिलाफ है, बल्कि सिख धर्म के अनुयायियों के बीच मतभेद भी पैदा कर सकता है। कानून के तहत, हरियाणा उस विषय के संबंध में कानून नहीं बना सकता है जहां पहले से ही केंद्रीय कानून है क्योंकि धार्मिक संस्थानों का विषय प्रविष्टि 28 सूची तीन से संबंधित है।

कश्मीर की खतमबंद कला के पूरी दुनिया में हैं दीवाने, जानिये इसमें क्या है खास?

श्रीनगर। कश्मीर को कला और संस्कृति की समृद्ध विरासत मिली है। कश्मीर में खासकर हाथ से बनायी गयी कलाकृतियां पूरी दुनिया में बेजोड़ मानी जाती हैं। ऐसी ही एक कश्मीरी कला है खतमबंद। इसके तहत देवदार और अखरोट की लकड़ी का उपयोग करके हाथ से जो आकृतियां बनाई जाती हैं उनका उपयोग छत और दीवारों को सजाने के लिए किया जाता है। इसमें लकड़ी को ज्योमैट्रिकल शेप में काटा जाता है। हाउसबोट में इस कला के काफी उदाहरण देखने को मिलते हैं। हालांकि अब इस कला के जानकार बहुत कम बचे हैं क्योंकि नई पीढ़ी इसमें हाथ आजमाने से बचती है ऐसे में कुछेक परिवार ही हैं जोकि पीढ़ियों से इस हुनर को आगे बढ़ाते आये हैं। 70 वर्षीय अली मुहम्मद नजर जोकि डाउनटाउन के सफा कदल में अपनी एक वर्कशॉप चलाते हैं वह खतमबंद कला के गहन जानकार हैं।

जेल में कैदियों को मिलेगा रोमांस करने का मौका! पंजाब के नए नियम उड़ा देंगे आपके होश

चंडीबढ़। पंजाब में कैदी अब अपने जीवनसाथी के साथ कुछ समय बिता पाएंगे क्योंकि राज्य के कारागार विभाग ने मंगलवार से कैदियों को एक अलग कमरे में कुछ घंटे बिताने की सुविधा देने की शुरुआत की है। इस तरह की सुविधा शुरू करने वाला यह पहला राज्य है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में गोइंदवाल साहिब की केंद्रीय जेल, नाभा की नई जिला जेल और बठिंडा की महिला जेल में इसकी अनुमति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि दुर्दांत अपराधी, गैंगस्टर और यौन अपराधों से जुड़े मामलों में सजा काट रहे

कैदियों को यह सुविधा नहीं मिलेगी। अधिकारी ने बताया कि अच्छे आचरण वाले कैदियों को दो घंटे तक अपने जीवनसाथी के साथ रहने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए विभाग ने एक कमरा निर्धारित किया है, जिसमें शौचालय भी होगा। अधिकारी ने कहा, ''जेल में लंबे समय से मौजूद कैदियों को इसमें प्राथमिकता दी जाएगी।'' उन्होंने दावा किया, ''हमें मिली जानकारी के अनुसार देश में यह सुविधा शुरू करने वाला पंजाब पहला राज्य है।'' विभाग को उम्मीद है कि उसकी इस पहल से दाम्पत्य संबंध मजबूत होंगे और कैदियों का अच्छा आचरण भी सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया कि इस तरह की मुलाकात के लिए आने वाले पति या पत्नी को अपनी शादी के प्रमाण दिखाने होंगे और चिकित्सा प्रमाण पत्र भी देना होगा, जो उनके एचआईवी या किसी अन्य यौन संचारित रोग, कोरोना वायरस संक्रमण या किसी अन्य संक्रामक रोग से पीड़ित ना होने की पुष्टि करता हो। कारागार विभाग ने कुछ दिन पहले कैदियों को कारागार परिसर में उनके परिवार के सदस्यों से मिलने की अनुमति देने के लिए एक अन्य कार्यक्रम की शुरुआत भी की थी। इस कार्यक्रम की शुरुआत लुधियाना कारागार से की गई, जिसके तहत कैदी और विचाराधीन कैदी हर पखवाड़े अपने प्रियजनों से करीब एक घंटे के लिए मुलाकात कर सकते हैं। इस मुलाकात के लिए भी कारागार परिसर में एक कमरा निर्धारित किया गया है। कैदी के परिवार के सदस्य उसके साथ भोजन भी कर सकते हैं।

बासी फूल और शॉल से परेशान हुए खादिम, हाजी अली दरगाह पर श्रद्धालुओं से नकद दान देने की अपील की

फूल और शॉल लेकर मस्जिद में न आएं। मुंबई में हाजी अली दरगा के अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से पैसे दान करने की अपील की। लोगों से ऐसी अपील क्यों? दरगाह के प्रवक्ता सोहेल खंडवानी ने बताया कि कई दिनों से देखा जा रहा है कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु बासी फूल लेकर आ रहे हैं। लेकिन इसमें भक्तों का श्गलतीश नहीं है। इसमें बेईमान कारोबारियों का एक वर्ग शामिल है। वे बासी फूल और सस्ते शॉल महंगे दामों पर बेचते हैं। इसे समझे बिना भक्त इन सबके साथ दरगाह में आते हैं। उन्होंने कहा कि वे इन बेईमान व्यापारियों का कारोबार खत्म करना चाहते हैं।

मैंने बीजेपी जैसी निकम्मी पार्टी नहीं देखी, गुजरात में बोले केजरीवाल– 27 साल में उन्हें आ गया है अहंकार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल इन दिनों गुजरात पर पूरी ध्यान दे रही है। दरअसल, गुजरात में इस बार विधानसभा के चुनाव होने हैं। गुजरात में आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ने की तैयारी में है। यही कारण है कि आम आदमी पार्टी की ओर से गुजरात में लगातार नए–नए दावे और वादे किए जा रहे हैं। आज अरविंद केजरीवाल वड़ोदरा पहुंचे हैं। वहां उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। अरविंद केजरीवाल ने साफ तौर पर भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि किसी भी चुनाव में सरकारी कर्मचारियों का बहुत बड़ा रोल होता है। ये सरकार भ्रष्टाचारी, जन विरोधी है, 27 साल में उन्हें अहंकार आ गया है। हम एक ही मौकघ मांग रहे हैं। अगर अच्छा काम करेंगे तो हमें वापस लाना वर्ना मत लाना, सभी से निवेदन है कि प्रचार में लग जाएँ।

केजरीवाल ने कहा कि जब भाजपा की व बंससमक जतवदह सीटों पर भी वो हार रहे हैं, तो कुछ तो करेंगे। इसलिए मेरे खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे राहुल गांधी जी के खिलाफ नहीं करते। मेरे खिलाफ कांग्रेस–भाजपा मिल जाते हैं। इन्हें डर है, जनता को अगर फ्री सुविधाएँ मिलने लगीं, तो लूट कैसे होगी। इसके साथ ही केजरीवला ने कहा कि आज गुजरात में– भूतपूर्व सैनिक, वन रक्षक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, एलआरडी वाले, टब्रे, किसान, खाकी वर्दी वाले प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसा लगता है जैसे सारा गुजरात ही सड़कों पर है। मैं सभी आश्वासन देता हूंरू जैसे ही आप की सरकार बनेगी, आपके सारे मुद्दे हल किये जाएंगे।

कोतवाली नगर में गंदगी देख नाराज हुए एडीजी, दी हिदायत

एडीजी जोन लखनऊबृजभूषण शर्मा ने पुलिस लाइन में बैठक कर कोतवाली नगर का किया निरीक्षण

अयोध्या। .एडीजी जोन लखनऊ बृजभूषण शर्मा ने पुलिस लाइन में बैठक के बाद कोतवाली नगर का औचक निरीक्षण किया। कोतवाली नगर में गंदगी देख कर एडीजी नाराज हुए, कोतवाली नगर में एडीजी को अव्यवस्था दिखी और हिदायत देते हुए सब कुछ सही करने के निर्देश दिए।इस दौरान एडीजी ने महिला पुलिसकर्मियों की क्लास भी ली।एडीजी जोन बृजभूषण शर्मा ने कहा कि पिछले 10 सालों में लखनऊ जोन में जितनी घटनाएं हुई उनकी पूरी सूची बनाई गई है। जो उसमें अपराधी लिप्त थे उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट लगाकर उनकी संपत्ति जब्त की जा रही है।

क्राइम कंट्रोल को लेकर अयोध्या पुलिस की अपराधियों के प्रति कम कार्रवाई पर एडीजी नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के मामले में अयोध्या पुलिस ने कम कार्रवाई की है, और कार्यवाही करने की आवश्यकता है, गैंगस्टर एक्ट भी कम लगे हैं।अयोध्या पुलिस ने लगभग 1 करोड की प्रॉपर्टी जप्त की है।अभी भी कार्रवाई करने की और आवश्यकता है। एडीजी जोन बृजभूषण शर्मा ने कहा कि लखनऊ जोन में 8 महीने के अंदर 350 करोड़ की संपत्ति जप्त की गई है। 2276 अपराधियों को गैंगस्टर के तहत जेल भेजा गया, 1035 अपराधियों को जिला बदर किया गया, 19 लोगों पर रासुका लगाई गई है, जोन में बहुत बड़ी कार्रवाई की गई है, 794 लोगों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की गई है। 235 शराब माफिया पर गैंगस्टर एक्ट लगाया गया है, 1062 अपराधियों की हिस्ट्री शीट खोली गई है। एडीजी ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। कोई भी अपराधी अपराध करेगा उसको उसी तरह जवाब दिया जाएगा।थाने पर तैनात महिला कर्मचारियों को निर्देश दिए गए है कि वे हफ्ते में एक दिन गांव जाय और महिलाओं से बातचीत करे ताकि होने वाले अपराध पर प्रीवेंटिव कार्रवाई की जा सके। एडीजी जोन लखनऊ बृजभूषण शर्मा ने पुलिस लाइन में त्यौहार को लेकर बैठक की और पुलिस लाइन का निरीक्षण भी किया।

स्ववित्तपोषित शिक्षकों ने कुलसचिव को सौंपा ज्ञापन

–नियमित शिक्षकों की भांति अधिकार दिये जाने की किया मांग

अयोध्या। उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय शिक्षक महासभा से जुड़े शिक्षकों ने . अपनी विभिन्न मांगो को लेकर विवि परिसर में प्रदर्शन किया और विवि के कुलपति और कुलसचिव को ज्ञापन सौंपा। सौंपे गये ज्ञापन में कहा है कि विवि में जो शिक्षक संघ भवन है इसपर अनुदानित महाविद्यालय शिक्षक संघ भवन लिखा है इसमें ह स्ववित्त पोषित शिक्षकों का भी अंशदान है। अतः इसमें स्ववित्तपोषित महाविद्यालय शिक्षक संघ का भी कक्ष आवंटित किया जाय। शिक्षक कल्याण निधि से हम स्ववित्त पोषित शिक्षकों का 90 प्रतिशत अंशदान है हम लोगों को भी शिक्षक कल्याण निधि से उचित सहायत दी जाय अन्यथा हमारो कोष अलक कर दिया। पूरे प्रदेश में उच्च शिक्षा के योगदान में 95 प्रतिशत शिक्षा स्ववित्तपोषित व्यवस्थज्ञा पर टिकी है इसमें लगे शिक्षक अपनी पूरी निष्ळठा, क्षमता औ आस्था से अध्यापन कार्य कर रहे है। इतना नहीं नियमित कालेजों में भी स्ववित्तपोषित अध्यापकों के सहारे शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनी हुई है किन्तु प्राध्यापकों के बहुत सारे अधिकार केवल नियमित अध्यापकों को मिले है स्ववित्तपोषित अध्यापकों को नहीं। स्ववित्तपोषित शिक्षक संघ आपसे अपेक्षा करता है कि नियमित शिक्षकों की भांति वित्तीय स्थिति को छोड़कर शेष सारे अधिकारी उसी तरह से मिलने चाहिए जैसे नियमित प्राध्यापकों को मिल है। नियमित प्राध्यापक पठन पाठन में कम अन्य आय के संसाधनों जैसे मान्यता का पैनल, भौतिक सत्यापन पैनल, अनुमोदन विशेषज्ञ, पेपर सेटर, शोध गाइड और वाह्य परीक्षक आदि के लिए ज्यादा लालायित रहते है, यहां तक कि मौखिक परीक्षा में पहले ही पूंछ लेते है कि कितने बच्चे हैं, कितना मिलेगा, इस पर अंकुश लगाया जा तथा निरपेक्ष रूप से हमें भी अवसर प्रदान किया जाय। साथ ही जिन शिक्षकों की आख्या पर महाविद्यालय संचालर हो रहे है अगर उनमें विसंगति पायी जाती है तो सम्बंधित शिक्षक पर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाय। फिर महाविद्यालयों के तरफ अंगुलठी उठायी जाय तथा शासनादेश संख्या 1753ध1999 का पालन कराया जाय। ज्ञापन सौंपने वालों में डॉ. अवनीश प्रताप सिंह, डॉ. घनश्याम यादव, डॉ. आशुतोष पाण्डेय, हरीशंकर यादव, डॉ. नृपेन्द्र विक्रम सिंह, डॉ. अतुल शुक्ला, गोपाल, धनंजय सिंह, डॉ. नीलमणि, पवन सिंह, पुरूषोत्तम आदि लोग शामिल थे।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

सोहावल–अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र के तहसीनपुर गाँव निवासी युवक राजेश गुप्ता उम्र लगभग 42 वर्ष पुत्र सूरज लाल ..देर शाम किसी बड़े वाहन की चपेट में आकर सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। युवक अपनी बाइक से एक फैक्ट्री में ड्यूटी पूरी कर इंडस्ट्रियल एरिया से घर वापस आ रहा थास जब जुबेरगंज पशु बाजार के पास हाइवे पर पहुंचा तो सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया थास जंहा से लखनऊ रेफर होते ही मौत हो गयी। पुलिस ने रात में ही पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। एसएसआई ने बताया कि घटना की सूचना हैस अभी कोई तहरीर नहीं मिली हैस मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जायेगासआरोपी वाहन की तलाश करायी जा रही है।

देश में रोजगार खत्म, लगातार बढ़ रही महंगाई : मनजीत सिंह

रालोद के नवनियुक्त अवध प्रांत क्षेत्रीय अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

अयोध्या। राष्ट्रीय लोकदल के नवनियुक्त अवध प्रांत क्षेत्रीय अध्यक्ष चौधरी रामसिंह पटेल का जनपद के रालोद कार्यकर्ताओं द्वारा प्रेस क्लब मे स्वागत समारोह का आयोजन कर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनजीत सिंह बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे वहीं पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक संतराम कुशवाहा, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आरिफ महमूद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राष्ट्रीय लोक दल के पूर्व प्रदेश महासचिव विश्वेश नाथ मिश्र (सुडडू) बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन निवर्तमान युवा रालोद जिला अध्यक्ष रामशंकर वर्मा ने किया राष्ट्रीय लोक दल के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनजीत सिंह फैजाबाद में पहुंच कर सबसे पहले पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा व रालोद के नेता रहे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वर्गीय मुन्ना सिंह चौहान जी प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर को नमन किया उन्होंने राष्ट्रीय लोक दल के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष के लिए रालोद के वरिष्ठ नेता चौधरी राम सिंह पटेल को अवध का अध्यक्ष बनाया गया है पार्टी को पूरी उम्मीद है की चौधरी राम सिंह पटेल के नेतृत्व में अवध क्षेत्र में पार्टी और मजबूत होगी इस समय पूरे प्रदेश में राष्ट्रीय लोक दल का सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है आप सब लोग बढ़–चढ़कर सदस्यता अभियान को आगे बढ़ाने का काम करें।

श्री सिंह ने कहा कि इस समय देश में रोजगार खत्म हो गए हैं महंगाई 4 गुना बढ़ गई है चाहे डीजल हो पेट्रोल हो कीटनाशक दवाइयां हो हर वस्तु पर चार गुना महंगाई हो गई वही किसान की फसल आधे दाम पर बिक रही है पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष पूर्व विधायक संतराम कुशवाहा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने 2022 तक किसानों की आमदनी को दोगुना करने का दम भरने वाली भारतीय जनता पार्टी अपने सब वादे भूल गई है किसानों की आय दोगुनी तो छोड़िए आधी रह गई है किसानों को एमएसपी पर गारंटी नहीं दी जा रही है देश में काले कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन में 850 शहीद हो गए हैं उन किसानों को आज तक सरकार ने मुआवजा नहीं दिया है कांग्रेसी सरकारों में देश पर 59 हजार करोड़ का कर्जा था जो आज बढ़कर 139 हजार करोड़ हो गया है देश कर्ज में डूब गया है भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने कहा था कि देश में हर साल नौजवानों को दो करोड़ नौकरियां दी जाएंगी जो नौजवानों को नहीं दी गई सरकार ने केवल ठगने का काम किया है देश को केवल धर्म के नाम पर बांटने का काम किया और धर्म के नाम पर लड़ाने का काम इन्होंने किया है पिछले 8 सालों में देश को गरीबी की ओर धकेल दिया गया प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश के किसानों को सिंचाई हेतु बिजली मुफ्त देने की घोषणा की थी जो नहीं दिया राष्ट्रीय लोक दल उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करता है कि अपने घोषणापत्र को शीघ्र से शीघ्र पूरा करें वहीं नव नियुक्त अवध क्षेत्र अध्यक्ष सभी अतिथियों व कार्यकर्ताओं स्वागत वंदन अभिनन्दन करते हुए आभार प्रकट किया और कि राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह जी ने हमेशा किसानों गरीबों मजदूरों की आवाज को बुलंद कर संघर्ष करने का काम किया है चाहे वह किसान आंदोलन के समय हो या अग्निपथ की योजना का विरोध करना हो श्री सिंह ने कार्यकर्ताओं से कहा की प्रत्येक विधानसभा में 5000 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है इस लक्ष्य को सभी कार्यकर्ता 23 सितंबर तक पूरा करने में सहयोग करें और स्थानीय मुद्दों को लेकर प्रशासन को अवगत कराएं वह आंदोलन करने की रणनीति को तैयार करें इस मौके पर नेतराम वर्मा, राजेश तिवारी, अरविंद सिंह महन्थ, अमित पाण्डेय, राम लक्ष्मण कोरी, करियाराम वर्मा, प्रमोद श्रीवास्तव, हरिश्चन्द्र यादव, जयप्रकाश यादव, राममनोहर वर्मा, राममिलन वर्मा, सुमंतलाल वर्मा, विरेन्द्र मिश्रा, श्याम सिंह पटेल आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

करंट की चपेट में आने से किशोरी की मौत

बीकापुर–अयोध्या। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामनगर मजरा लौटन का पुरवा निवासी उमाशंकर की 17 वर्षीय बेबी विद्युत करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। बताया जाता है कि बेबी छत पर किसी कार्य के लिए जा रही थी तभी लोहे के दरवाजे में करंट उतरने से किशोरी चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बीकापुर कोतवाली अंतर्गत चौरे बाजार पुलिस चौकी क्षेत्र के रामनगर लौटन के पुरवा गांव में घटित हुई घटना। किशोरी की मौत से परिवार में मचा कोहराम। पुलिस ने मृतका का शव कब्जे में लेकर लिखा पढ़ी कर चीरघर अयोध्या भेज दिया है। घटित घटना को लेकर परिवार व गांव में मातम छा गया।

इलेक्ट्रिक मैकेनिक की वाटर टैंक में गिरकर मौत

अयोध्या। जनपद के कोतवाली नगर क्षेत्र के उसरू स्थित नवदुर्गा बंसल कोल्ड स्टोरेज में कार्यरत एक इलेक्ट्रिक मैकेनिक की वाटर टैंक में गिरकर मौत हो गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने समय पर इलाज न कराने का कोल्ड स्टोरेज के मैनेजर पर आरोप लगाया है।मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामला कोतवाली नगर के उसरू का है जहां पर नवदुर्गा कोल्ड स्टोरेज है। बताया गया कि सुबह मैकेनिक कृष्ण कुमार पांडे कंडेनसर ठीक करने के लिए कूलिंग टैंक के ऊपर चढ़ा था जिसके बाद उसका पैर फिसला और वह वाटर टैंक में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंचे एसडीएम सदर राम कुमार शुक्ला व सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह ने परिजनों को समझाया कि मैनेजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी वहीं एसडीएम सदर ने कहा कि सरकार की तरफ से भी उसे सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मृतक कृष्ण कुमार पांडे थाना पूराकलंदर के कादीपुर गांव का रहने वाला था।

पंचायत भवन से लाखों का माल पार

कानपुर। बिधनू दहेली गांव में . रात चोरों ने पंचायत भवन से लाखों का माल पार कर दिया। पंचायत सहायक अंजलि ने बताया कि शाम को कार्यालय बंद कर घर गई थीं। सुबह आईं तो गेट का ताला टूटा था। कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे,एलईडी,सीपीयू,इंवर्टर,बैटरा गायब था। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आकर रिटायर्ड रोडवेज कर्मी की मौत

कानपुर। गूबा गार्डन क्रॉसिंग पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मिर्जापुर खड़ंजा निवासी अशोक कुमार पाल(61) रोडवेज के रिटायर ड्राइवर थे। पत्नी विमला ने बताया कि अशोक प्रतिदिन सुबह मॉर्निंग वॉक पर घर से निकलते थे। सुबह गूबा गार्डन क्रॉसिंग पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में अशोक की मौके पर ही मौत हो गई। कल्याणपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने स्कार्पियों में मारी टक्कर,दो की मौत

कानपुर। लखनऊ से मध्यप्रदेश के पंडोखर धाम जा रही एक स्कार्पियो में एक ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में स्कार्पियों में सवार 8 लोग घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच घायलों को उपचार के लिए हैलट अस्पताल से ले गयी,जहां उपचार के दौरान 2 व्यक्तियों की मौत हो गयी। लखनऊ से मध्यप्रदेश जा रही काली रंग स्कार्पियो में 8 लोग सवार थे। गाड़ी जब चकेरी के कोयला नगर के पास पहुंची तो विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक ने गाड़ी में टक्कर मार दी। हादसे में गाड़ी में सवार 8 लोग घायल हो गए। इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और सभी को हैलट अस्पताल में उपचार के लिए भेजा। उपचार के दौरान स्कार्पियो सवार लखनऊ के थाना मोहनलालगंज अंतर्गत मीणा गांव निवासी सुरेंद्र यादव (50) और उनके गांव के गुरुदीन रावत (65) की एलएलआर अस्पताल हैलट में उपचार के दौरान मौत हो गई। जबकि अन्य 6 लोगों को हैलट अस्पताल में उपचार चल रहा है।

लेखपालों का कार्य बहिष्कार जारी रहा

कानपुर । कानपुर के सभी 257 लेखपालों ने ऑनलाइन कार्य बहिष्कार जारी रखा। पिछले 3 सालों से मानदेय का भुगतान न किए जाने से नाराज लेखपाल 5 दिनों से ऑनलाइन कार्य नहीं कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष नरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि कई बार अधिकारियों को इस संबंध में वार्ता की गई। लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर कार्य किया। फरवरी 19 से इसका भी नहीं हुआ भुगतान : नरेंद्र तिवारी ने बताया कि फरवरी 2019 से अभी तक आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र प्रति आवेदन 5 रुपए, डाटा चार्ज, नैटपैक लैपटॉप को प्रति माह 251 रुपए, डोंगल डाटा कार्ड 1600 रुपए, स्मार्ट फोन डाटा चार्ज के लिए एक हजार रुपए, सामान्य निर्वाचन 2022 में बूथ व्यवस्था और केंद्र प्रबंधन के लिए प्रति केंद्र 345 रुपए का भुगतान भी अब तक नहीं किया गया है। भुगतान वर्ष 2015–16 व 2016–17 का क्राफ्ट कटिंग का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। बीते रोज इस संबंध में एडीएम फाइनेंस से मुलाकात की गई थी। उन्होंने मांगों को पूरा कराए जाने का आश्वासन दिया था, लेकिन 1 नए पैसे का भी भुगतान नहीं किया गया।

महाविद्यालयों को जबरन केंद्र थोपा जाना अनुचित : डॉ. बी.पी. सिंह

-विश्वविद्यालय द्वारा मूल्यांकन कराए जाने का पैसा शिक्षकों को कभी भी समय से नहीं मिलता

अयोध्या। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या शिक्षक भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में शिक्षा संघ अध्यक्ष डॉ. बी पी सिंह ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की गिरती हुई गरिमा को बचाने की बुद्धिजीवियों से अपील की । विश्वविद्यालय द्वारा लगातार हो रही परीक्षाओं से महाविद्यालयों में पठन–पाठन का काम ठप हो गया है ।

एक परीक्षा खत्म नहीं होती है की दूसरी शुरू हो जाती है।गत वर्ष भी इसको लेकर शिक्षक संघ ने विरोध किया था और कुलपति ने आश्वासन दिया था कि अब परीक्षाएं वर्ष में दो ही बार होगी किंतु खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि वह रोग फिर भी कायम है। अध्यक्ष ने यह भी कहा की महाविद्यालयों को जबरन केंद्र थोपा जाना अनुचित है खास करके एलएलबी के छात्रों के लिए। विश्वविद्यालय ने अगर महाविद्यालयों को मान्यता दी है तो उनके पास संसाधन एवं शिक्षकों की संख्या देखकर की है। हर कॉलेज अपने महाविद्यालय की परीक्षा कराएं । अगर कहीं पर नकल की आशंका हो तो विश्वविद्यालय वहां पर अपने आब्जर्वर, उड़ाका दल भेज कर उसको ठीक करें। विश्वविद्यालय द्वारा मूल्यांकन कराए जाने का पैसा शिक्षकों को कभी भी समय से नहीं मिलता यह बड़े खेद का विषय है जबकि विश्वविद्यालय महाविद्यालयों से बहुत पहले ही उसका पैसा ले लेता है ।विश्वविद्यालय में वायवा के लिए कुछ और नियम है और मूल्यांकन के लिए कुछ और शिक्षक एमए के मौखिकी के लिए अर्ह है पर विश्वविद्यालय उन्हें मूल्यांकन के लिए अनर्ह मानता है ।

इस दोहरे मापदंड पर रोक लगाई जानी चाहिए। शिक्षक संघ ने कई बार यह मांग की कि शिक्षकों को प्रैक्टिकल और वाइबा की सूचना विश्वविद्यालय द्वारा दी जानी चाहिए किंतु इस पर कोई असर नहीं है। महाविद्यालयों द्वारा ही शिक्षकों को सूचना दी जाती है कभी–कभी महाविद्यालय सूचना देते हैं और कभी–कभी बिना शिक्षक के जानकारी के भी परीक्षाएं हो जाती हैं । यह प्रवृत्त विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही घातक है । शिक्षक संघ अध्यक्ष ने महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के वेरिफिकेशन का भी मुद्दा उठाया । ऐसा देखने में आया है कि कई परीक्षक जो कहीं अन्यत्र कार्यरत हैं किंतु अवध विश्वविद्यालय में प्रैक्टिकल वायवा ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के लिए यह प्रवृत्ति बहुत ही घातक है। महाविद्यालयों द्वारा शिक्षकों से मनमाना नंबर लेने का दबाव बनाया जाता है उक्त नंबर न देने पर उन्हें अपमानित होना पड़ता है जिसकी शिकायत परीक्षा नियंत्रक से करने पर भी कोई समाधान नहीं मिलता है ।

जिससे ऐसे महाविद्यालयों मे इस प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है उल्टे शिकायतकर्ता को ही दंडित कर उसकी जगह दूसरा परीक्षक नियुक्त कर दिया जाता है । इसी तरह मूल्यांकन में भी यह खेल चल रहा है। 75 प्रतिशत अधिकतम अंक की सीमा का लगातार उल्लंघन हो रहा है जबकि इससे अधिक नंबर पाने वाले छात्र का स्पष्टीकरण परीक्षक द्वारा दिए जाने का प्रावधान है । 50 से कम छात्र होने पर महाविद्यालयों को केंद्र न बनाए जाने का परंपरा भी विश्वविद्यालय ने अब तिलांजलि दे दिया है । 20 से 25 छात्रों पर भी परीक्षा वायवा के लिए केंद्र बनाए जा रहे हैं जिससे विश्वविद्यालय के आर्थिक स्रोतों पर अनावश्यक बोझ पड़ता है । 5 से 10 किलोमीटर की दूरी पर केंद्र बनाए जाने के शासनादेश का भी उल्लंघन हो रहा है। 40 किलोमीटर दूर छात्रों को परीक्षा केंद्र जाकर परीक्षा देना पड़ता है। केंद्रों पर प्राचार्य ना होने पर केंद्र न बनाने की शासनादेश का उल्लंघन हो रहा है। सब मिलाकर विश्वविद्यालय समस्त नियम शासनादेश को ताक पर रखकर परीक्षा नियंत्रक की मनमानी से चलाया जा रहा है जो विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही घातक है। शिक्षक संघ मुख्यमंत्री से मांग करता है कि इन बिंदुओं की किसी सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति से जांच कराई जाए एवं दोषियों को दंडित किया जाए ताकि विश्वविद्यालय की गरिमा बहाल हो सके।

डॉ. जनार्दन उपाध्याय अध्यक्ष व वीर विक्रमादित्य सिंह बने महासचिव

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या की साहित्यिक संस्था साहित्य मंगलम् की कार्यकारिणी का पुनर्गठन जनता अवध इण्टर कॉलेज गोलाघाट अयोध्या में सम्पन्न हुई बैठक में संस्था के वरिष्ठतम सदस्य व चुनाव अधिकारी शेषनारायण मिश्र की देखरेख में किया गया। पुनर्गठित कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से डा,जनार्दन उपाध्याय अध्यक्ष,सम्पूर्णानन्द बागी उपाध्यायक्ष, वीर विक्रमादित्य सिंह महासचिव,हरिशंकर शर्मा उपसचिव, अशोक कुमार मिश्र"टाटम्बरी" संगठनसचिव, भानुप्रताप सिंह" चन्द्रवंशी प्रचार सचिव , अंजनीकुमार सिन्हा कोषाध्यक्ष तथा स्वामी प्रसाद मिश्र अंकेक्षक चुना गया। संस्था की कार्यकारिणी सदस्य हेतु शेषनारायण मिश्र,जयप्रकाश चतुर्वेदी, अरुण कुमार मिश्र एडवोकेट,रामबाबू गुप्ता "बेबस",डा,आनन्द उपाध्याय, अवधेश कुमार शर्मा,डा,सुधाकर पाण्डेय,सरदार कुलजीत सिंह,मानस प्रसाद तिवारी,सौमित्र मिश्र,श्रीमती कात्यायिनी उपाध्याय, श्रीमती मिन्दिला चौधरी,सिद्धार्थ मिश्र को चुना गया हैं।पुनर्गठित कार्यकारिणी ने संस्था का वार्षिकोत्सव दिनांक 20 नवम्बर 2022ई,को हर्षोल्लास पूर्वक मनाने का निर्णय लिया है।संस्थाध्यक्ष डा, जनार्दन उपाध्याय ने संस्था के चुने गये पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों से साहित्यमंगलम् को मजबूत करने हेतु नवोदित साहित्यकारों को सदस्य बनाने व समय समय पर साहित्यिक गोष्ठियां, कवि सम्मेलन व महान साहित्यकारों की जयन्ती समारोह आयोजित करने की सलाह दी है।महासचिव वीर विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि "साहित्य मंगलम" ने अपने स्थापना काल के तीस गौरवशाली वर्ष व्यतीत किए हैं, यह संस्था निरन्तर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर रहे यही हम सबका दायित्व है।चुनाव अधिकारी शेषनारायण मिश्र ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी।

प्रेम प्रसंग के चलते पोस्ट ग्रेजुएट छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर । रावतपुर में प्रेम प्रसंग के चलते पोस्ट ग्रेजुएट छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। जिसने युवती ने रिश्तेदारी के युवक से प्रेम प्रसंग का जिक्र किया है। पुलिस छात्रा के मोबाइल को कब्जे में लेकर जांच के बाद कार्रवाई की बात कह रही है। छपेड़ा पुलिया के शिवपुरी निवासी 30 वर्षीय युवती परास्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद इन दिनों नौकरी की तलाश कर रही थी।

देर रात उसने मकान की छत पर पड़े टीन शेड में लगी लोहे के एंगल से दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह छत पर पहुंची मां उसका शव फंदे से लटका देख कर अवाक रह गई। जानकारी होते ही मोहल्ले वालों की भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पर आई पुलिस को घटनास्थल के पास से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें युवती ने रिश्तेदार युवक से प्रेम प्रसंग की बात लिखी है। उसकी शादी घरवालों ने दूसरी जगह तय कर दी थी, जिसके बाद से वह मानसिक तनाव में थी। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मुआयना करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। रावतपुर थाना ध्यक्ष संजय शुक्ला ने बताया कि सुसाइड नोट में प्रेम प्रसंग का जिक्र होने पर छात्रा के मोबाइल को कब्जे में लिया गया है। परिवारी जनों से तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षणेत्तर कर्मचारी परिषद के जिला उपाध्यक्ष बने बसंतराम

अयोध्या। उत्तर प्रदेश शिक्षणेत्तर कर्मचारी परिषद द्वारा का पूरे प्रदेश में नई जिला कार्यकारीणियो का गठन हुआ। परिषद के प्रदेश के अध्यक्ष सत्येंद्र सोलंकी एवं अयोध्या मंडल अध्यक्ष भूपेश्वर गुप्ता ने अयोध्या जिला की नई कार्यकारिणी का गठन किया, और साकेत महाविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष बसंत राम को अयोध्या जिला उपाध्यक्ष की कमान सौंपा।साकेत महाविद्यालय के विभिन्न कर्मचारियों ने अवसर पर बसंत राम को बधाई दी उपाध्यक्ष बसंत राम ने कहा मैं अपने दायित्वों का निर्वाहन निष्ठा पूर्वक करूंगा, और कर्मचारी बंधुओं का अहित बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा तथा उनके सम्मान के लिए सदैव प्रयत्नशील रहूंगा।

कालानमक वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट के तहत विश्व तक जाना जाता हैं- सांसद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठीधकिसान मेला एवं फसल अवशेष प्रबन्धन गोष्ठी कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी ने मुख्य अतिथि एवं जनप्रतिनिधिगणों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठीधकिसान मेला एवं फसल अवशेष प्रबन्धन गोष्ठी के अवसर पर सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि एक जनपद एक उत्पाद के तहत कालानमक चावल का चयन किया गया है। कालानमक को बढ़ावा देने के लिए अर्न्तराष्ट्रीय निर्यात को और बेहतर करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। किसानो को कालानमक का उचित मूल्य प्राप्त हो। भारत सरकारध्प्रदेश सरकार द्वारा तकनीकि खेती के प्रति विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित कर उनकी आय दोगुनी करने का कार्य किया जा रहा है।

आज हमारे जनपद का कालानमक वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट के तहत विश्व तक जाना जाता हैं। जनपद मे कालानमक के निर्यात के लिए एफ0पी0ओ0 का निर्माण हो गया है। सभी किसान भाई कृषि विभाग, कृषि वैज्ञानिको से तकनीकि जानकारी लेकर विभिन्न फसलों, सब्जी, फल आदि लगाकर अपनी आय को बढ़ायें, जिससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था और मजबूत हो सके। जिलाधिकारी संजीव रंजन

ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जा रहा है। जिसके माध्यम से किसान यंत्र खरीद सकते हैं। सभी किसान भाई तकनीकी खेती के साथ साथ पशुपालन, सब्जी की खेती, आम, लीची, केला आदि लगाकर अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं। जिलाधिकारी द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन के प्रति किसानों को जागरूक किया। जिलाधिकारी ने बताया कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण वाहनो के प्रयोग की अपेक्षा अधिक होता है। इसलिए पराली न जलाये। पराली को इकट्ठा कर पशुओं के चारा हेतु प्रयोग करे अथवा कृषि यंत्रों के माध्यम से पराली का प्रबन्धन करे।

उपकृषि निदेशक अरविन्द कुमार विश्वकर्मा द्वारा किसानों को लाभार्थीपरक योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी। सभी किसान भाई उन्नतशील बीजों का प्रयोग करें जिससे पैदावार अधिक होगी। सभी राजकीय कृषि केंद्रों पर खाद, बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। किसान भाई फसल अवशेषध्पराली को पशुओं के चारा एवं खाद के रूप में प्रयोग कर सकते हैं। पराली को जलायें नहीं, पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है जिससे पैदावार भी कम हो जाता है। सभी किसान भाई जैविक खाद का प्रयोग करें। वेस्ट डीकम्पोजर का प्रयोग करके पराली को खाद के रूप में तैयार कर फसलो में प्रयोग किया जा सकता है। पराली जलाने से पर्यावरण अधिक प्रदूषित होता है। कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग आदि द्वारा स्टाल लगाकर किसानों को जानकारी दिया गया। जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठीधकिसान मेला एवं फसल अवशेष प्रबन्धन गोष्ठी के अवसर पर सांसद डुमरियागंज जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उपेन्द्र सिंह, जिलाधिकारी संजीव रंजन, मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत मेरी पालिसी मेरे हाथ के तहत चिन्हित किसान तौलन, विश्वनाथ साहनी, गौरीशंकर, विष्णू पाठक, राम उजागिर, सुदीप चन्द्र वाजपेयी को पालिसी का वितरण एवं एन0एम0ई0ओ0 आयल सीड योजनान्तर्गत चिन्हित किसानों को निःशुल्क मिनी किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त जिला कृषि अधिकारी सी0पी0सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, सहायक निदेशक, मत्स्य, कृषि वैज्ञानिक तथा दूर–दराज से आये किसान उपस्थित थे।

सांसद जगदंबिका पाल पे किया इंदिरा नगर में स्वच्छता अभियान की शुरूआत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेवा पखवाड़ा सप्ताह के अंतर्गत आज स्वच्छता दिवस का कार्यक्रम इंदिरा नगर वार्ड में गायत्री मंदिर तथा काली मां का समय स्थान पर किया गया। जिस के मुख्य अतिथि डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल रहे। वरिष्ठ अधिवक्ता परमात्मा प्रसाद मिश्रा ने सांसद के द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों एवं छोटी जगह छोटी जगहों पर सांसद द्वारा किए जा रहे स्वच्छता अभियान कार्यक्रम को सराहा तथा कहा कि ऐसे ही संघर्षशील एवं विकासशील हमे बार–बार मिलने चाहिए और 2024 के चुनाव में हमें सांसद को पुनः लाना चाहिए कार्यक्रम में सांसद द्वारा स्वच्छता अभियान के बारे में सभी को जागरूक किया। और कहा कि जैसे हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री सामाजिक कार्य में अपनी रुचि दिखाते हैं वैसे हम सभी को भी आगे बढ़कर समाजिक कार्यों में हिस्सा लेना चाहिए स्वच्छता अभियान उसी कार्यक्रम का एक हिस्सा है और हमें अपने आस–पड़ोस हर जगह स्वच्छता रखनी चाहिए हम स्वच्छ रखेंगे तभी हम स्वस्थ रह पाएंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अर्चिष्मान मिश्रा ने किया तथा सभासद फतेह बहादुर सिंह ने आए हुए अतिथियों का एवं सभी सम्मिलित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।इस अवसर पर इंदिरा नगर वार्ड के सभासद एवं जिला मंत्री फतेह बहादुर सिंह जिला उपाध्यक्ष दीपक मौर्या नगर अध्यक्ष अरचिष्मान मिश्रा अधिवक्ता संघ के पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता परमात्मा प्रसाद मिश्रा पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राजू सिंह मनोनीत सभासद प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव पिंगल जख्मी श्याम सुंदर मित्तल लक्ष्मीकांत जयसवाल सत्य प्रकाश राही दीपू सिंह पूर्व मंडल अध्यक्ष लालजी संत राम राजभर अनुराग तिवारी जहीर सिद्दीकी नगर महामंत्री राजेश जयसवाल हरिराम मिश्रा विजय मिश्रा आदि मौजुद रहे।

थाने पर 10 से 2 बजे नियमित हो जनसुनवाई–एएसपी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सोमवार सांय को सदर कोतवाली पर सर्किल

सदर के थाना सिद्धार्थनगर, उसका बाजार, मोहाना ,लोटन, कपिलवस्तु और महिला थाना के विवेचक गण के द्वारा की जा रही विवेचनाओं व अन्य लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। 10 दिवस में सभी लंबित विवेचनाओं के निस्तारण के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई प्रतिदिन 10.00 बजे से 2 बजे के मध्य नियमित रूप से की जाए। यदि थाना प्रभारी कहीं व्यस्त हैं तो दिवसा अधिकारी प्रत्येक दशा में जनसुनवाई करें। आईजीआरएस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर अधीनस्थों की जांच को अग्रसारित करने से पूर्व थाना प्रभारी आवेदक से संतुष्ट/असंतुष्ट का फीडबैक प्राप्त कर ले। एनबीडब्ल्यू का तमिला शत–प्रतिशत करें। विवेचना का कार्य पूर्ण निष्पक्षता एवं तत्परता से करें। रात्रि गश्त को और अधिक प्रभावी बनाए। समीक्षा के दौरान क्षेत्राधिकारी सदर अखिलेश वर्मा ,कोतवाली कपिलवस्तु प्रभारी सूर्यप्रकाश सिंह, मोहाना थाना प्रभारी संतोष सिंह, सदर तहशीलदार सिंह सहित थाना प्रभारी व उप निरीक्षक उपस्थित रहे।

राकेश दत्त त्रिपाठी दे रहे प्रत्याशियों को चुनौती,जनसंपर्क में दिग्गजों में सबसे आगे

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के नगर निकाय चुनाव के प्रत्याशियों में जहां जमकर जनसंपर्क अभियान चल रहा है वही पकड़ी निवासी युवा चेहरे के तौर पर उतरे राकेश दत्त त्रिपाठी सभी को चुनौती देते नजर आ रहे हैं जहां एक तरफ राकेश दत्त त्रिपाठी की पकड़ छोटी जातियों में जमकर है तो वही ब्राह्मण चेहरे के तौर पर ब्राह्मण अगुआ के रूप में नेतृत्व करने का मौका मिल सकता है आपको बता दें कि राकेश दत्त त्रिपाठी मूल रूप से व्यवसाई हैं और इस समय व्यापार मंडल के जिला मुख्यालय पर पदाधिकारी भी हैं जहां एक तरफ कसौधन सेवा समिति एवं व्यापार मंडल का पूरा समर्थन मिलता नजर आ रहा है तो वही सभी वर्गों में चर्चा का विषय बनते जा रहे हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर चल रहे सेवा पखवाड़े में भी राकेश दत्त त्रिपाठी जमकर भाग ले रहे हैं जगह–जगह सफाई अभियान छेड़ कर लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक करते भी नजर आ रहे हैं मंगलवार को सेवा पखवाड़े के अंतर्गत सफाई अभियान छेड़ कर राकेश दत्त त्रिपाठी ने पकड़ी के आसपास के क्षेत्रों में लोगों को स्वच्छता का सीख भी दिया। इस अवसर पर दुर्गेश ,अशोक त्रिपाठी ,बृजभूषण पांडे ,सुमित कुमार, अवधराम, कोदई प्रसाद, तनय त्रिपाठी ,सूरज पान्डे। आदि गांव वालो की उपस्थिति रही।

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने किया जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सभी कक्षों, रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा भ्रमण पंजिका, अवकाश पंजिका को देखा गया। एडेड स्कूलों की पत्रावली, वेतन भुगतान के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। जिलाधिकारी द्वारा मानव संपदा पोर्टल पर फीडिंग के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक अवधेश नारायण मौर्य द्वारा अवगत कराया गया कि मानव संपदा पोर्टल पर फीडिंग पूर्ण हो गया है। जिलाधिकारी द्वारा स्कूलों को मान्यता प्रदान किए जाने हेतु प्राप्त आवेदनों के बारे में पत्रावली को देखा गया। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अवगत कराया गया की अधिशासी अभियंता आर0ई0एस0 एवं अग्निशमन अधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त की जाती है तथा स्कूल मान्यता की शर्तों को पूर्ण करते हैं तभी मान्यता प्रदान की जाती है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों को सही ढंग से परीक्षण कर मानक पूर्ण करने वाले विद्यालयों को ही मान्यता प्रदान की जाए तथा कार्यालय में पत्रावलियों को सुरक्षित रखें। निरीक्षण के दौरान वित्त एवं लेखाधिकारी नीलोत्तम चौबे, प्रधान सहायक मुन्नीलाल, वरिष्ठ सहायक ओंकारनाथ, वरिष्ठ सहायक राजकुमार पांडेय, कंप्यूटर ऑपरेटर उमाशंकर उपस्थित थे।

सेवा पखवाड़े के अंतर्गत साफ–सफाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। भाजपा के युवा नेता व समाजसेवी विष्णु

जयसवाल उर्फ सोनू जायसवाल सेवा पखवाड़े के अंतर्गत मंगलवार को सुबह स्वच्छता कार्यक्रम के तहत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर पार्टी द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2022 तक चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत बांसी के नगर पालिका के विभिन्न वार्डों में सर सफाई अभियान के कार्यक्रम में रानी लक्ष्मी मां भक्त घाट, मां शीतला माता के स्थान सहित सर सफाई किया गया। जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश को आगे ले जाने में भाजपा सरकार वचनबद्ध है स्वच्छता अभियान के दौरान बलराम कुलश्रेष्ठ, निखिल अग्रहरी, गुलाब अग्रहरि, सत्येंद्र वर्मा ,सहित काफी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

अमेरिका और यूरोप कैसे भरोसा करेंगे?

हम उससे पुराने संबंधों की जितनी दुहाई दे वह भारत के काम नहीं आने वाला है। चीन का रूस का भरोसा पहले से नहीं है और भारत भी उस पर भरोसा नहीं कर सकता है तो उसके चक्कर में अमेरिका, यूरोप के ऐसे देश, जो भारत पर भरोसा करते हैं या भारत के लोकतंत्र, इसकी आबादी और इसके पेशेवरों की ...

प्रधानमंत्री ने समरकंद जाकर शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक में हिस्सा लिया। उनकी रूस के राष्ट्रपति पुतिन से दोपक्षीय वार्ता भी हुई। एक तरफ भारत अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ क्वाड का हिस्सा है और दूसरी ओर वह एससीओ की बैठक में हिस्सा लेता है। एक तरफ अमेरिका और जापान के साथ टू प्लस टू की बैठक में करता है तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री रूसी राष्ट्रपति के साथ बातचीत करते हैं। पता नहीं भारत की विदेश नीति के रणनीतिकारों ने इस पर ध्यान दिया या नहीं कि ब्रिटेन ने महारानी के अंतिम संस्कार में रूस और यूक्रेन के खिलाफ उसकी मदद करने वाले बेलारूस को न्योता नहीं दिया। जब दुनिया इस तरह से खेमे में बंटी है तो उसमें भारत को अपने हितों को समझते हुए कूटनीति करनी चाहिए। कोई सोचे कि भारत सबके साथ है तो वैसा कूटनीति में नहीं होता है। भारत जब गुट निरपेक्ष देशों की राजनीति करता था तब भी भारत का झुकाव रूस की ओर होता था। इसकी वजह से पश्चिमी दुनिया के देश भारत पर बहुत विश्वास नहीं करते थे। 1991 में सोवियत संघ के बिखराव और भारत में मुक्त अर्थव्यवस्था की नीति अपनाए जाने के बाद स्थितियां बदलीं। रूस पहले के मुकाबले कमजोर हो गया तो भारत का कारोबार पश्चिमी देशों के साथ बढ़ा। अमेरिका से परमाणु संधि के बाद भारत का अछूतपन भी खत्म हुआ। लेकिन यह नहीं हो सकता है कि भारत अब भी गुट निरपेक्षता की नीति पर चलता रहे। हालांकि इससे ऐसा भी नहीं होगा कि प्रधानमंत्री मोदी उज्बेकिस्तान चले गए

या रूस के राष्ट्रपति से मिल लिए तो अमेरिका और यूरोप के देश भारत से संबंध खत्म कर लेंगे। असल बात यह है कि भारत पर भरोसा घटेगा। वह न इधर का रहेगा और न उधर का। भारत पर संकट आएगा तो दुनिया के सभ्य और विकसित देश दिल खोल कर मदद नहीं करेंगे। भारत को समझ लेना चाहिए कि चीन का कभी भी भारत के ऊपर भरोसा नहीं है। न हमें उस पर भरोसा करना चाहिए। वह भारत के ज्यादा से ज्यादा हिस्सों को हड़पने और कमजोर करके रखने की कूटनीति कर रहा है। भारत उसके साथ चाहे जितना कारोबार बढ़ा ले और उसकी वजह से चाहे जितना भी नुकसान उठा ले, वह भारत पर भरोसा नहीं करता है। भारत को पता होना चाहिए कि स्लाइसिंग डिप्लोमेसी याकि सलामी कूटनीति के तहत वह एक–एक टुकड़ा जमीन हड़प रहा है। भारत भूमि पर कब्जा बढाता रहेगा। यह भी ध्यान रहे कि रूस पूरी तरह से चीन का पिछलग्गू हो गया है। हम उससे पुराने संबंधों की जितनी दुहाई दे वह भारत के काम नहीं आने वाला है। चीन का रूस का भरोसा पहले से नहीं है और भारत भी उस पर भरोसा नहीं कर सकता है तो उसके चक्कर में अमेरिका, यूरोप के ऐसे देश, जो भारत पर भरोसा करते हैं या भारत के लोकतंत्र, इसकी आबादी और इसके पेशेवरों की वजह से अपने को भारत से जोड़ते हैं तो उनमें क्यों शंका पैदा करना? उनका भरोसा क्यों खोना चाहिए? तभी सवाल है कि प्रधानमंत्री ने समरकंद जाकर समझदारी का काम किया या यह गलत कूटनीति थी? अगर प्रधानमंत्री वहां नहीं जाते तो क्या वह ज्यादा बेहतर कूटनीति नहीं होती?

नौकरियों में आरक्षण खत्म हो

वेद प्रताप वैदिक

सर्वोच्च न्यायालय में आजकल आरक्षण पर बहस चल रही है। उसमें मुख्य मुद्दा यह है कि आर्थिक आधार पर लोगों को नौकरियों और शिक्षा–संस्थानों में आरक्षण दिया जाए या नहीं? 2019 में संसद ने संविधान में 103 वाँ संशोधन करके यह कानून बनाया था कि गरीबी की रेखा के नीचे जो लोग हैं, उन्हें 10 प्रतिशत तक आरक्षण दिया जाए। यह आरक्षण उन्हीं लोगों को मिलता है, जो अनुसूचित और पिछड़ों को मिलनेवाले आरक्षण भी शामिल नहीं हैं। याने सामान्य श्रेणी या अनारक्षित जातियों को भी यह आरक्षण मिल सकता है। उसका मापदंड यह है कि उस गरीब परिवार की आमदनी 8 लाख रु. साल से ज्यादा न हो। याने लगभग 65 हजार रु. प्रति माह से ज्यादा न हो। एक परिवार में यदि चार लोग कमाते हों तो उनकी आमदनी 16–17 हजार से कम ही हो। ऐसा माना जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जो लोग हैं, उनकी संख्या 25 प्रतिशत के आस–पास है याने लगभग 30 करोड़ है। इन लोगों को आरक्षण देने का विरोध इस तर्क के आधार पर किया जाता है कि देश के ज्यादातर गरीब तो अनुसूचित लोग ही हैं। यदि ऊँची जातियों के लोगों को गरीबी के नाम पर आरक्षण दिया जाएगा तो जो असली गरीब हैं, उनका हक मारा जाएगा। इसके जवाब में जजों ने पूछा है कि यदि इस आरक्षण में आरक्षितों और पिछड़ों को भी जोड़ लिया जाए तो आरक्षण की सारी मलाई ये वर्ग ही साफ कर लेंगे। अभी तक कानून यह है कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं दिया जाए। ऐसे में एक तर्क यह भी है कि गरीबों को दिया गया आरक्षण अनुसूचितों के लिए नुकसानदेह होगा। वास्तव में सरकारी और गैर–सरकारी संस्थानों की नौकरियों में किसी भी आधार पर आरक्षण देना उचित नहीं है। ऐसे आरक्षणों में योग्यता दरकिनार कर दी जाती है और अयोग्य लोगों को कुर्सियां थमा दी जाती हैं। इसके फलस्वरुप सारा प्रशासन अक्षम हो जाता है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। नौकरियों में भर्ती का पैमाना सिर्फ एक ही होना चाहिए। वह है, योग्यता! देश के प्रशासन को सक्षम और सफल बनाना हो तो जाति और गरीबी, दोनों के नाम पर नौकरियों में दिए जानेवाले आरक्षणों को तुरंत खत्म किया जाना चाहिए। उसकी जगह सिर्फ शिक्षा में आरक्षण दिया जाए और वह भी 60–70 प्रतिशत हो तो भी उसमें भी कोई बुराई नहीं है। इस आरक्षण का सिर्फ एक ही मानदंड हो और वह हो गरीबी की रेखा! इसमें सभी जातियों के लोगों को समान सुविधा मिलेगी। समस्त आरक्षित छात्र–छात्राओं को निशुल्क शिक्षा और संभव हो तो भोजन और निवास की सुविधा भी मिलनी चाहिए। जो बच्चे परिश्रमी और योग्य होंगे, वे नौकरियों में आरक्षण की भीख क्यों मांगेंगे? वे स्वाभिमानपूर्वक काम करेंगे। वे हीनताग्रंथि से मुक्त होंगे।

मध्यप्रदेश सरकार पर ऋण का बोझ

फिर रेवड़ी कल्चर क्या है ? समारोहों में दिखावे के लिए जिस तरह पैसा बहाया जाता है, उसको पूछने वाला कोई नहीं है । हर साल वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों तथा मंत्रियों और दूसरे ओहदेदारों की बचत करोड़ों रुपये में बढ़ जाती है । यह स्वयं उनके द्वारा घोषित वार्षिक विवरण से पता चलता है । भारत को यदि विश्व गुरु बनना है तो उसे गश्रंधी दर्शन पर चलना होगा जो सादगी व स्वैच्छिक दरिद्रता ...

अजय दीक्षित

अब विधानसभा या संसद के अधिवेशन छोटे से छोटे होते जा रहे हैं । फिर भी विधायकों और सांसदों की भाव बढ़ते जा रहे हैं । पिछले सत्र में लोकसभा और राज्यसभा वाक् आउट और हंगामे के कारण ज्यादातर समय स्थगित रहा । ज्यादातर बिल बिना बहस के पास हो गये । अभी मध्यप्रदेश में विधानसभा सत्र के लिए मात्र पॉच दिन निर्धारित थे, वे भी पूरे नहीं हुए और तीन दिन बाद ही विधानसभा का सत्र निलम्बित हो गया । इससे न तो जरूरी बिलों पर बहस हुई, न ही विपक्ष को अपनी बात कहने का मौका मिला । हमनें खानपान, रहन सहन, सोच–विचार में पश्चिम कीनखल करना सीख लिया है, पर विपक्षहीन सत्ता का सुख भोगना चाहते हैं । वैस्ट मिनिस्टर मॉडल जिसे हम भारतीय संसद में अपनाना चाहते हैं, वहॉ विपक्ष का भी शैडो केबिनेट होती हैं । विपक्ष की शैडो केबिनेट के स्वयं घोषित मंत्रियों को भी सत्ताधारी दल के मंत्रियों जैसा सम्मान मिलता है । उनके भी अपने दफ्तर होते हैं और अपने विषय के बारे में सारे ऑकड़े उनके पास होते हैं । संसद या विधानसभा कोई दंगल नहीं है जहॉ पक्ष और विपक्ष में द्वन्द्व युद्ध हो, पर आज तो स्थिति यही है । एक चीफ मिनिस्टर दूसरे दल के चीफ मिनिस्टर की भरपूर आलोचना करता है । केन्द्रीय

मंत्री विपक्ष के दलों की राज्य सरकारों को भरपूर कोसते हैं और अब तो दल–बदल का खेल शुरू हो गया है । अभी कॉग्रेसी विधायक बाला बच्चन के एक प्रश्न के उत्तर में बतलाया गया कि मध्यप्रदेश सरकार हर महीने पॉच हजार करोड़ का लोन (उधार) ले रही है । इस समय सन् 2021–2022 के संशोधित आंकलन के अनुसार मध्यप्रदेश सरकार पर 54911 करोड़ का उधार है । यह उधार बाजार से, नेशनल रूरल एण्ड एग्रीकल्चर बैंक, नेशनल कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कार्पोरेशन, रिजर्व बैंक, सेंट्रल गर्वनामेन्ट, सेन्ट्रल सेविंग्स आदि से लिया गया है ।

मार्केट से 174373 करोड़ का कर्जा लिया गया है । कार्पोरेशन और बोर्ड से 7360 करोड़ कर्जा लिया गया है । फाइनेंसियल इंस्टीट्यूशनों से 12158 करोड़ कर्जा लिया गया है । केन्द्रीय सरकार से 44675 करोड़ कर्जा लिया गया है । दूसरे अन्य से प्राप्त उधार का भार 22209 करोड़ है । स्पेशल सिक्योरिटी से 34757 करोड़ कर्जा लिया गया है । इस प्रकार मध्यप्रदेश के प्रति नागरिक पर 37,000 का कर्जा है । पिछले छरू साल में प्रत्येक नागरिक पर यह कर्जा दुगना हो गया है । छरू साल पहले प्रत्येक नागरिक पर यह कर्जा लगभग 18 हजार था ।

जिस प्रकार समारोहों, उत्सवों, मत्रियों और मंत्री समकक्ष कारपोरेशनों के अध्यक्षों पर वेतन, सुविधा आदि का बढ़ता खर्चा हो रहा है, उससे एक दिन सरकार दिवालिया घोषित कर दी जायेगी । यह करामात तब है जबकि दावा है कि मध्यप्रदेश में स्वर्ग उतर आया है क्योंकि डबल इंजन सरकार है । असल में यह श्डबल इंजन सरकारश शब्द ही भारत की विविधता के विपरीत है । भारत के संविधान में भारत को श्राज्यों का यूनियनश बतलाया गया है । अतरू संविधान निर्माताओं ने सोच रखा था कि भारत विविधताओं से भरा देश है, फिर भी यहॉ एक दल का वर्चस्व नहीं रहेगा । तब कॉग्रेस पार्टी का एकछत्र प्रभाव था । फिर भी संविधान निर्माताओं ने भारत की विविधता पर ध्यान दिया था । क्षेत्रीयता, भाषा, बोली, खान–पान, पहनावा, सोच, स्थानीय अस्मिता के कारण यह सोचा गया कि भारत में मात्र एक पार्टी का वर्चस्व नहीं रहेगा । परन्तु अब इसके विपरीत भारत को राष्ट्र एक पार्टी बनाया जा रहा है । ऐसा कम्युनिस्ट देशों में ही होता है जहॉ पार्टी कोई एक राजनैतिक पार्टी का राज होता है और पार्टी कार्यकर्ता मंत्री से ज्यादा महत्व रखते हैं । चीन में ऐसा ही है । दुनिया में अन्य कम्युनिस्ट देशों में भी ऐसा देखा जा सकता है ?

फिर रेवड़ी कल्चर क्या है ? समारोहों में दिखावे के लिए जिस तरह पैसा बहाया जाता है, उसको पूछने वाला कोई नहीं है । हर साल वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों तथा मंत्रियों और दूसरे ओहदेदारों की बचत करोड़ों रुपये में बढ़ जाती है । यह स्वयं उनके द्वारा घोषित वार्षिक विवरण से पता चलता है । भारत को यदि विश्व गुरु बनना है तो उसे गॉधी दर्शन पर चलना होगा जो सादगी व स्वैच्छिक दरिद्रता के आधार पर चलती है । यह कंजूसी नहीं है । यह सादगी का जीवन–दर्शन है जो भारतीय धर्म शास्त्रों पर आधारित है ।

{ इसकी विशेषता यह है कि यह इंटरनेट से कमांड देने पर बताई जगह पर जाकर पौधारोपण करता है। श्जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालयश के तहत संचालित श्राष्ट्रीय विकास योजनाश में देश भर से आये 30 प्रोजेक्ट में इसका चयन पिछले वर्ष किया गया है। विज्ञान की विकसित तकनीकों का उपयोग कर हम तेजी से पौधारोपण करके उनसे बने पेड़ों से ग्लोबल... }

हवा से होता पौधारोपण

डॉ. ओ.पी.जोशी

कुछ वर्षों में यह भी पाया गया है कि पेड़ों के कटने एवं नए पौधों के रोपण से पेड़ बनने में काफी बड़ा अंतर हो गया है। इस अंतर को कम करने हेतु कम समय में ज्यादा पौधारोपण किये जाने पर सोचा गया। संभवतरू इसी सोच के आधार पर जापान के वनस्पति–शास्त्री प्रो. अकीस मिसावाकी ने पौधारोपण की एक विधि प्रस्तुत की जिसे श्मियाता की पद्धतिश कहा गया। देश–विदेश में वर्षा का मौसम सामान्यतरू पौधारोपण का रहता है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में इसे पवित्र एवं पुण्य का कार्य बताया गया है। पारम्परिक पौधारोपण में गड्ढा खोदकर, खाद डालकर मनचाहे पौधों को रोपित किया जाता था। चौपायों से सुरक्षा हेतु ट्री–गार्ड, कांटेदार तार की फेंसिंग या कांटे आदि लगाकर सुरक्षा की व्यवस्था की जाती थी। अधिक जगह वाले स्थानों पर रोपित पौधे के आसपास थोड़ी गहरी नाली बनाई जाती थी, ताकि पशु नहीं आ सकें। कालांतर में गड्ढों की व्यवस्था तो वैसी ही रही, परंतु अधिक लम्बे पौधे रोपकर बांस से सहारा दिया जाने लगा। पौधारोपण में गड्ढा खोदने के कठिन कार्य को इन्दौर शहर के सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. रितुराज टोंग्या ने काफी सरल कर दिया है। उनकी बनाई मशीन से दो लोग एक गड्ढा एक–दो मिनिट में बना देते हैं। पिछले 4–5 वर्षों में इससे 20 हजार गड्ढे खोदे जा चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह भी देखने में आ रहा है कि गड्ढे खोदने एवं पौधा रोपने की झंझट से बचने के लिए श्बीज–गेंदश (सीड–बाल) की विधि कई लोगों एवं संगठनों ने अपनाई है। यह विधि शहरों की बजाय पहाड़ी क्षेत्रों के लिए ज्यादा उपयोगी बताई गई है। गेंद में रखे बीज अनुकूल मौसम में अंकुरित हो नए पौधों को जन्म देते हैं और इस प्रकार पौधारोपण का कार्य पूरा हो जाता है। पिछले कुछ वर्षों में यह भी पाया गया है कि पेड़ों के कटने एवं नए पौधों के रोपण से पेड़ बनने में काफी बड़ा अंतर हो गया है। इस अंतर को कम करने हेतु कम समय में ज्यादा पौधारोपण किये जाने पर सोचा गया। संभवतरू इसी सोच के आधार पर जापान के वनस्पति–शास्त्री प्रो. अकीस मिसावाकी ने पौधारोपण की एक विधि प्रस्तुत की जिसे श्मियाता की पद्धतिश कहा गया। कम समय में सघन पौधारोपण हेतु श्मियाता की पद्धतिश को शहरी क्षेत्रों और सीमित क्षेत्र के लिए ज्यादा उपयोगी बताया गया है। इस पद्धति में एक सीमित क्षेत्र को भरपूर खाद देकर तैयार किया जाता है एवं फिर बहुत नजदीक पौधे रोपे जाते हैं। खाद की प्रचुरता होने से पौधों की वृद्धि 10 गुना तेज होती है एवं इस कारण तीन वर्षों के बाद देखभाल की ज्यादा जरूरत नहीं रहती। इस पद्धति में एक ही प्रजाति के पौधों के रोपण से जैव–विविधता कम हो जाती है। आजकल विज्ञान एवं तकनीकी तथा सूचना–प्रौद्योगिकी के विकास के चलते पौधारोपण के कार्य में भी कई परिवर्तन हुए हैं एवं सतत जारी हैं। श्संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रमश (यूएनईपी) ने बताया है कि पृथ्वी से लगभग 70 हजार वर्ग किलोमीटर जंगल प्रतिवर्ष समाप्त हो जाते हैं। वनों की समाप्ति के साथ बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण एवं कई अन्य विकास कार्यों के फलस्वरूप श्ग्लोबल वार्मिंगश की समस्या भी गहराने लगी है। इस संदर्भ में 1990 के आसपास अमेरिका स्थित श्मेसाच्यूसेट प्रौद्योगिक संस्थानश (एमआईटी) के प्रो. मोशे अलमाटो ने हवाई जहाज से जमीन पर पौधों की बमबारी की योजना बनाई। इस योजना के पीछे विचार यही था कि इससे पौधारोपण तेज गति से होगा, पेड़ जल्दी विकसित होंगे एवं श्ग्लोबल वार्मिंगश से कुछ राहत मिलेगी। पौधों की बमबारी हेतु 9–10 इंच लम्बे बायोडिग्रेडेबल पदार्थ के कोन या कनस्तर तैयार कर उसमें मिट्टी खाद एवं पौधे रखे गये। नमी के कारण इस कनस्तर का नुकीला भाग जमीन में धंस जाता है। एक बार की उड़ान से एक लाख पौधों के रोपण की सम्भावना बताई गई। इजराइल के रेगिस्तान एवं यूरोप की कुछ पहाड़ियों पर इस विधि से पौधे रोपे गये थे। वायु सेना, श्स्टार वारश तकनीक एवं कम्प्यूटर प्रणाली के उपयोग से यह काफी हाई–टेक विधि बताई गई थी। अमेरिकी श्एअरो स्पेस कंपनीश का सुझाव था कि इस हेतु लडाकू विमानों का उपयोग किया जाना चाहिये। लडाकू विमान के ढांचे में थोड़ा परिवर्तन कर नौ लाख पौधे प्रतिदिन रोपे जा सकते हैं। लंदन के सो–क्वेस्टर में कार्यरत मि. जेफबर्ले ने वायुयान के बदले हेलीकॉप्टर से पौधे गिराने का सुझाव दिया, क्योंकि हेलीकॉप्टर उन स्थानों पर भी आसानी से पहुंच जाते हैं जहां वायुयान नहीं पहुंच पाते। बायोडिग्रेडबल पदार्थ से बने कोन में मिट्टी, खाद एवं पौधा रखकर सात मीटर ऊंचाई से गिराया जाना था। हेलीकाप्टर की क्षमता अनुसार एक बार की उड़ान में 200 से 2000 कोन गिराये जाने की सम्भावना बताई गई थी। इस विधि का सफल परीक्षण ब्राजील में वर्ष 2010 में किया गया था। हवाई–जहाज एवं हेलीकॉप्टर से पौधारोपण का कार्य अब और अधिक तकनीकी विकास से ड्रोन तक पहुंच गया है। ड्रोन का कार्य एवं नियंत्रण हवाई–जहाज एवं हेलीकॉप्टर की तुलना में काफी सरल होता है। टोरंटो (कनाडा) स्थित कंपनी श्फ्लैश फारेस्टश ने साफ्टवेअर एवं इकोलाजी के आधार पर एक ड्रोन तकनीक बनाई है। इसके माध्यम से तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों के 100 करोड़ रोपे लगाने का लक्ष्य रखा है। यह तकनीक गड्ढा कर (हेवो लिफ्ट ड्रोन न्यूमेटिक विधि से) खाद डालकर पौधा रोपित करती है। जिन क्षेत्रों में इंसान की पहुंच आसान नहीं है वहां यह काफी उपयोगी बताई गई है। आस्ट्रेलिया की कंपनी श्ऑक्टोफाप्टर्सश ने भी श्आर्टिफीशियल इंटेलीजेंसश (एआई) आधारित एक ड्रोन तकनीक विकसित की है। यह एक दिन में 40 हजार श्सीड बालश गिरा सकती है। वर्ष 2024 तक इसके द्वारा 10 करोड़ श्सीड बालश डालने की योजना है। श्सीड बालश पर कुछ ऐसे रसायन भी लगाये गये हैं, जो पक्षियों एवं कीड़ों से बीजों की रक्षा करते हैं। हमारे देश में तेलंगाना स्थित श्मारूति ड्रोन्स टेक लिमिटेडश स्टार्ट–अप ने हरा–भरा अभियान शुरू किया है। इसके तहत श्स्पीड काप्टर ड्रोनश से पौधारोपण किया जाएगा। वहां स्थित श्केबीआर पार्कश में यह कार्य सफलता–पूर्वक किया गया है। इस अभियान को वहां के 33 जिलों में चलाये जाने की तैयारी की गई है। हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर एवं ड्रोन से पौधारोपण या बीजारोपण से आगे बढ़कर जबलपुर (मध्यप्रदेश) स्थित श्ज्ञान गंगा निजी इंजीनियरिंग कालेजश के मेकेनिकल, इलेक्ट्रीकल एवं कम्प्यूटर विज्ञान के विद्यार्थियों ने मिलकर श्ग्रीन रोबोटश तैयार किया है। बैटरी एवं मोबाईल एप से संचालित यह रोबोट एक बार में 2000 रोपे लगा सकता है। इसकी विशेषता यह है कि यह इंटरनेट से कमांड देने पर बताई जगह पर जाकर पौधारोपण करता है। श्जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालयश के तहत संचालित श्राष्ट्रीय विकास योजनाश में देश भर से आये 30 प्रोजेक्ट में इसका चयन पिछले वर्ष किया गया है। विज्ञान की विकसित तकनीकों का उपयोग कर हम तेजी से पौधारोपण करके उनसे बने पेड़ों से श्ग्लोबल वार्मिंगश एवं अन्य जलवायु बदलाव से पैदा समस्याओं से थोड़ी निजात प्राप्त कर लें, परंतु ऐसे में पेड़ों से हमारा भावनात्मक लगाव शायद कम हो जाएगा।

गरीबों के लिए संचालित लाभप्रद योजनाओं का लाभ पात्र ग्रामीणों को दिलाएंःवन्दना त्रिवेदी

सम्पूर्ण समाधान में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण एक सप्ताह में कराएंः अपर जिलाधिकारी

हरदोई।तहसील बिलग्राम में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी वन्दना त्रिवेदी ने उपस्थित जनपद स्तरीय अधिकारियों से कहा कि प्रदेश सरकार की मंशानुरूप विकास एवं निर्माण कार्यो को पूरी पारदर्शिता तथा गुणवत्ता के साथ तय समयसीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें और भारत व प्रदेश सरकार की गरीबों के लिए जनहित में संचालित लाभप्रद योजनाओं का लाभ पात्र ग्रामीणों को उपलब्ध करायें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों की शिकायत पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अपर जिलाधिकारी ने राजस्व तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि संयुक्त टीम एवं आपसी समन्वय बनाकर तहसील क्षेत्र की समस्त सरकारी भूमि के अवैध कब्जों को एक सप्ताह में कब्जा मुक्त करायें और सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण व कब्जा करने वालों के विरूद्व कठोर कार्यवाही करते हुए जेल भेजें। विद्युत से संबंधी शिकायतों के सम्बन्ध में एडीएम ने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिये कि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति कराने के साथ खराब ट्रास्फामरों को तत्काल बदलवायें और विद्युत उपभोक्ताओं की बिल आदि से संबंधित समस्याओं का त्वरित निस्तारण करायें। पेंशन से संबंधित प्रकरणों पर उन्होने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जांच के उपरान्त पुराने पात्र लोगों की पेंशन पुनः बहाल करायें और नये आवेदकों के प्रार्थना पत्रों का सत्यापन कराने के उपरान्त स्वीकृत हेतु मुख्यालय प्रेषित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में नलकूप, जल निगम, समाज कल्याण, बैंक आदि विभागों की कुल 112 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 24 का मौके पर निस्तारण किया गया, शेष शिकायतों के सम्बन्ध में एडीएम ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण एक सप्ताह में कर निस्तारण आख्या शिकायतकर्ता को भी उपलब्ध करायें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा राजेश कुमार तिवारी, उप जिलाधिकारी राहुल कश्यप विश्वकर्मा तथा सीओ बिलग्राम, जिला विकास अधिकारी अजय प्रताप सिंह, पीडी, बीएसए सहित अन्य सभी जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ, ईओ, सीडीपीओ व थानाध्यक्ष आदि उपस्थित रहें।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद को पूरे प्रदेश में एक विशिष्ट पहचान दिला गयेःजिलाधिकारी

हर घर तिरंगा कार्यक्रम से जुड़ी हुई टीम को सम्मानित किया गयाःअविनाश कुमार

हरदोई।आजादी के अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत शासन द्वारा भव्य स्तर पर आयोजित किये गये कार्यक्रम हरदोई जनपद को पूरे प्रदेश में एक विशिष्ट पहचान दिला गये। आजादी के अमृत महोत्सव का कार्यक्रम स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे भारत में जोर–शोर से मनाया जा रहा है,इसी कड़ी में विगत 15 अगस्त को शासन के निर्देशानुसार एक स्वतंत्रता पखवाड़े का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत एक सप्ताह तक समाज के सभी वर्गों को जोड़कर रखने के लिए समाज के सभी वर्गों की सहभागिता को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा किया गया। 11 अगस्त से 17 अगस्त तक संपन्न हुए इन कार्यक्रमों में मैराथन दौड़,तिरंगा यात्राएं, लेजर शो, कत्थक संध्या अधिकारियों की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, दीपोत्सव कार्यक्रम, अमर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान समारोह सहित स्कूल और कॉलेज स्तर पर भी बहुत सारे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के सफल समापन के बाद जिलाधिकारी अविनाश कुमार एवं मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राना ने इस कार्यक्रम से जुड़ी हुई टीम को सम्मानित किया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी बनाए गए सिटी मजिस्ट्रेट डॉ सदानंद गुप्ता कार्यक्रम के समन्वयक एवं संचालन की भूमिका निभाने वाले मनीष कुमार मिश्रा और कार्यक्रम में अभूतपूर्व योगदान प्रदान करने वाले राम श्रीवास्तव को जिलाधिकारी द्वारा मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए टीम द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की गई तथा कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का आभार व्यक्त किया गया।ज्ञात हो कि लेजर शो, कत्थक संध्या जैसे कार्यक्रम जनपद हरदोई में पहली बार भव्यता के साथ आयोजित किए गए थे। एक सप्ताह तक चले स्वतंत्रता पखवाड़े में हजारों की संख्या में जनपद वासियों ने ना केवल प्रतिभाग किया था बल्कि पूरा जनपद ही देशभक्ति की भावना से सराबोर दिखाई दिया था। जिलाधिकारी द्वारा आगे भी इसी तरह से अच्छे कार्यक्रमों के आयोजन किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को एकजुट रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। आज जिलाधिकारी अविनाश कुमार का जनपद में अंतिम दिवस होने के कारण उनके द्वारा सभी से मिले अपेक्षित सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया गया।

सेंट जेम्स स्कूल में चार दिवसीय 66वीं प्रादेशिक माध्यमिक विद्यालयीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता 2022 का उद्घाटन समारोह संपन्न

हरदोई। शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था सेंट जेम्स स्कूल परिसर में चार दिवसीय 66 वीं प्रादेशिक माध्यमिक विद्यालयीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता 2022 का उद्घाटन समारोह का आयोजन मुख्य अतिथि आबकारी राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल और आए हुए विशिष्ट अतिथियों के द्वारा संपन्न हुआ। सेंट जेम्स स्कूल के प्रधानाचार्य फादर लैंसी रिगो के द्वारा आए हुए मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया गया तदुपरांत शांति कबूतरों को उड़ा कर एवं बास्केटबॉल को उछाल कर प्रतिभागी टीमों के बीच खेल का शुभारंभ किया गया।

सेंट जॉन स्कूल परिसर में चार दिवसीय 66 वीं प्रादेशिक माध्यमिक विद्यालयीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता 2022 का उद्घाटन मुख्य अतिथि आबकारी राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल ने किया।

इस शुभ अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नितिन अग्रवाल,विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रेमावती वर्मा, सुख सागर मिश्र अध्यक्ष नगर पालिका हरदोई के साथ–साथ उप शिक्षा निदेशक ओ पी मिश्र ,जिला विद्यालय निरीक्षक वीके दुबे, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वी पी सिंह, पीके वर्मा प्रभारी अयोध्या मंडल ,जिला क्रीड़ा सचिव अवधेश त्रिपाठी , प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष राजेश तिवारी ,प्रधानाचार्य सेंट जेम्स स्कूल फादर लैंसी रेगो ,राजकीय इंटर कालेज के प्रधानाचार्य टी आर वर्मा एवं जनपद के समस्त प्रधानाचार्य और शिक्षक गणों ने उपस्थित होकर समारोह को भव्यता प्रदान की।

कार्यक्रम के शुभारंभ में जिला विद्यालय निरीक्षक वी के दुबे ने मुख्य अतिथि नितिन अग्रवाल का कॉलेज के मुख्य द्वार पर बेनी माधव विद्यापीठ इंटर कॉलेज की छात्राओं के बैंड के साथ फादर लैंसी रिगो की उपस्थिति में स्वागत किया।

मंत्री जी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।अतिथियों के स्वागत के क्रम में सर्वप्रथम जिला विद्यालय निरीक्षक ने मंत्री जी को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया और मंत्री जी को स्मृति चिन्ह भेंट की। फादर लेंसी रिगो ने आए हुए अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मंत्री जी ने बास्केटबॉल कोर्ट पर नारियल फोड़कर खेल का शुभारंभ किया।इस अवसर पर मैदान से शांतिदूत कबूतर को छोड़ा गया और बास्केटबॉल उछाल कर इस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। मंत्री जी ने अपने संबोधन में इस राज्य स्तरीय आयोजन को हरदोई का गौरव बताया। सभी 18 मंडलों के प्रतिभागी टीम को अग्रिम शुभकामनाएं प्रदान की।

नितिन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि खेल में हार–जीत महत्वपूर्ण नहीं है महत्वपूर्ण है खेल में प्रतिभाग करना और सभी बच्चों को कामनवेल्थ गेम और ओलंपिक तक पहुंचकर प्रदेश व देश का गौरव बढ़ाने का आशीर्वाद दिया। समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रेमावती वर्मा जिला पंचायत, अध्यक्ष पीके वर्मा, सुख सागर मिश्र,उप शिक्षा निदेशक ओ पी मिश्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वी पी सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक वीरेंद्र कुमार दुबे ने संबोधित किया।

इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच अंडर–19 बालिका वर्ग वाराणसी मंडल और मुरादाबाद मंडल के मध्य खेला गया ,जिसमें वाराणसी मंडल 5 के मुकाबले 38 अंक अर्जित कर विजेता रही,वहीं स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले जा रहे अंडर–19 बालक वर्ग के पहले मैच में वाराणसी मण्डल का मुकाबला मेरठ मण्डल से हुआ, जिसमें वाराणसी ने मेरठ को 12 के मुकाबले 40 अंक हासिल कर पराजित किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा सचिव अवधेश त्रिपाठी ने किया। चेतना शुक्ला,पारुल अवस्थी और श्रद्धा मिश्रा ने उद्घोषक की भूमिका निभायी।

इस अवसर पर सुधाकर बाजपेयी, सहायक सचिव क्रीड़ा हंसराज कुशवाहा, कार्यक्रम स्थल प्रभारी श्याम नारायण त्रिवेदी ,कार्यालय प्रभारी प्रधानाचार्य संजीव कुमार, शिक्षक संजय शर्मा शिक्षक जो जो व सह प्रभारी राम दयाल , अनुशासन प्रभारी ओ पी सिंह, मीडिया प्रभारी विवेक श्रीवास्तव, सहप्रभारी हरि प्रकाश त्रिपाठी, डॉक्टर पंकज वर्मा,रमेश वर्मा, अनुराग मिश्रा, सरोज कुमार, शेर सिंह, और जनपद के समस्त विद्यालयों के क्रीड़ाध्यक्ष सहित स्काउट के पदाधिकारी और स्काउट आदि उपस्थित रहे।

लायंस क्लब के सदस्यों ने किया रक्तदान

हरदोई।जरूरतमंद की सेवा के लिए सदैव तत्पर लायंस क्लब के सदस्यों ने हरदोई निवासी बच्ची की जान बचाने हेतु लखनऊ के मेडिकल कॉलेज में जाकर रक्तदान किया। लायन अध्यक्ष गौरव सिंह भदौरिया, लायन पीयूष खन्ना एवं लायन अनूप पुरी द्वारा रक्तदान किया गया। जोन चेयरमैन अखिलेश गुप्ता ने बताया कि लायंस क्लब द्वारा समय समय जरूरतमंद की।सेवा के लिए रक्तदान किया जाता है जिसे भविष्य में भी निरंतर जारी रखा जाएगा। सच्ची भावना सेवा कार्य के लिए अग्रसर लायंस क्लब के पूर्व गवर्नर लायन हरगोविंद सेठी ने उस बच्चे के पिता को आश्वासन दिया कि ब्लड की कमी नही होने दी जाएगी, आवश्यक्ता पड़ने पर लायंस क्लब के अन्य साथी भी रक्तदान करेंगे।

नहीं थमेगी बटला हाउस काण्ड के जांच की मांगः मसूद सिददीकी

जौनपुर। बटला हाउस के इनकाउण्टर की 14 वीं बरसी पर जिला मुख्यालय पर प्रदर्षन किया। सभा को सम्बोधित करते हुए पार्टी के नेता मसूद सिददीकी ने कहा किइस इनकाउण्टर के बाद कांग्रेस ने अपने कानूनी कर्तव्यों का भी पालन नहीं किया। जबकि किसी पुलिस टकराव में किसी की मौत होती है तो उस घटना का मजिस्ट्रेटी जांच करवाना अनिवार्य है। इसके बावजूद बटला हाउस इन्काउण्टर केस में आरंभ से कानून की धज्जियां उड़ाई गयी। एक बहादुर पुलिस अफसर और दो प्रतिभावान छात्रों की मौत हुई परन्तु न तो कांग्रेस और न ही भाजपा की केन्द्र सरकार और चुनाव से पहले इस इन्काउण्टर पर सवाल उठाने वाले अरविन्द केजरीवाल ने सत्ता में आने के बाद इस पर जांच कराना उचित नहीं समझा। अगर इन्काउण्टर सही था तो घटना में वह सही उभर कर सामने आयेगा। यह देष के मुसलमानों और उसकी अस्मिता का सवाल है। सबका विकास क्या बिना सबको न्याय के संभव है। इस फर्जी इन्काउण्टर की मांग हम तब तक उठाते रहेगें जब तक सरकार मांग मान नहीं लेती। अंसार अहमद, हस्सान अहमद आदि ने भी सम्बोधित किया।

कन्या और शस्त्र पूजन के साथ शुरू होगा सदस्यता अभियान

जौनपुर। अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के काशी प्रान्त की कार्यकर्ता बैठक नगर के टीडी इण्टर कालेज में हुई जिसकी अध्यक्षता डा. वीरेन्द्र प्रताप सिंह कार्यकारी विभागाध्यक्ष एवं संचालन तरून शुक्ला प्रान्तीय महामंत्री काशी प्रान्त ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनंजय सिंह क्षेत्रीय महामंत्री अहिप एवं विशिष्ट अतिथि संजय दुबे प्रान्तीय सह संगठन मंत्री, संतोष दुबे उपाध्यक्ष काशी प्रान्त, आकदि रहे। मुख्य अतिथि श्री ने कहा कि समाज की बुराइयों को दूर करते हुये हिन्दू समाज की एकजुटता पर ध्यान देते हुये हमारा संगठन क्रमशः आगे की तरफ अग्रसर है। पूरे भारतवर्ष में राष्ट्रीय छात्र परिषद की सदस्यता अभियान का कार्य कर रहा है। विशिष्ट अतिथि अर्जुन मौर्य ने कहा कि जिस प्रकार हनुमान जी ने माता सीता का पता लगाया, लंका का दहन किया, अहिरावण से अपने प्रभु और भाई लक्ष्मण को सुरक्षित बचाया, उसी प्रकार राष्ट्रीय बजरंग दल के नौजवान एकजुट होकर जिहादियों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिये तैयार रहें। नाना प्रकार के फैलाये जा रहे जिहाद के जाल में हमारा हिन्दू समाज न फंसने पाये, इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। विशिट अतिथि संजय दुबे ने कहा कि एकजुटता और अखण्डता का निर्माण पहले स्वयं में करें। स्वयं को मजबूत करें, फिर गर्व से कहें कि हम हिन्दू हैं। हिन्दू आगे रहा है और आगे भी आगे रहेगा। चन्द्र प्रकाश तिवारी विभाग महामंत्री, राजकुमार पटवा विभाग महामंत्री राष्ट्रीय बजरंग दल, रमेश मिश्रा विभाग उपाध्यक्ष, महेन्द्र यादव जिलाध्यक्ष मछलीशहर, चन्दन तिवारी जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल, अरविन्द योगी विभाग मंत्री राष्ट्रीय बजरंग दल, पवन राय जिला महामंत्री अहिप नरेन्द्र सिंह जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय मजदूर परिषद, विभाग उपाध्यक्ष नागेन्द्र सिंह, प्रीति तिवारी विभागाध्यक्ष ओजस्वनी परिषद सहित काशी महानगर, मिर्जापुर, भदोही, गाजीपुर, सुल्तानपुर सहित अगल–बगल के कई लोगों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। अन्त में अजय पाण्डेय जिलाध्यक्ष अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हरदोई में 9 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार,जिनमें 3 महिलाएं भी शामिल

टप्पेबाजी और चोरी की वारदातों को देते थे अंजाम

हरदोई।शहर कोतवाली पुलिस और एसओजी टीम ने चोरी और टप्पेबाजी करने वाले 9 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं।यह सभी बांग्लादेशी नागरिक पिछले 2 महीने से अपनी पहचान छुपाकर यहां रह रहे थे और भीख मांगने का नाटक कर लोगों के साथ टप्पेबाजी और चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।यही नहीं, विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में बेचने का स्वांग रच कर भी यह लोगों के साथ ठगी करते थे।हाल में हुई लूट और चोरी की वारदातों के बाद पुलिस और एसओजी ने इस शातिर बांग्लादेशी को गैंग को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस ने इनके पास से एक बांग्लादेशी पासपोर्ट,रियाल मुद्रा और 14 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जिले की थाना कोतवाली शहर पुलिस और एसओजी टीम ने बांग्लादेशी नागरिकों आलमगीर,मो शाहआलम,मो खैरुल,मो मिंटू,अफरोजा,हामिदा, नीली और एक बाल अपचारी तथा चंद्रशेखर पुत्र सतीश चंद्र निवासी ग्राम गोविंदपुर थाना कितौर जनपद मेरठ को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि चंद्रशेखर ने बांग्लादेशी नागरिक महिला से शादी की थी और सभी बांग्लादेशी नागरिक पहचान छिपाकर पिछले 2 महीने से हरदोई में रह रहे थे और आपराधिक वारदातों को अंजाम देते थे।श्री द्विवेदी ने बताया कि कोतवाली शहर पुलिस एसओजी के साथ चेकिंग अभियान चला रही थी।तभी मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन हरदोई के माल गोदाम गेट चौराहे पर शातिर किस्म के टप्पेबाज व चोरो का गिरोह इकट्ठा होकर कही भागने की फिराक में है। यह गिरोह भीख मांगने का ढोंग कर के तथा विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में बेचने का स्वांग रच कर लोगो के साथ ठगी करता है।इस सूचना पर स्थानीय पुलिस मय एसओजी टीम द्वारा घेराबंदी कर बताये गये स्थान मालगोदाम गेट चौराहे के निकट से कुल 09 पुरूष व महिलाओं को पकड़ लिया गया। जिनकी जामातलाशी में 33,600 नगद धनराशि व आलमगीर के पास से 1 विदेशी पासपोर्ट, 09 अदद 50 रियाल मुद्रा व 14 अदद मोबाइल फोन बरामद किये गये।पूछताछ के दौरान पुलिस को सभी के द्वारा बताया गया कि हम सभी एक गिरोह बनाकर जिसका मुखिया चुन्नू उर्फ ठेकेदार है चोरी व टप्पेबाजी के काम को अंजाम देते हैं।सभी अपनी पहचान छिपाकर विभिन्न जनपदों में लोगो को विदेशी मुद्रा रियाल को भारतीय मुद्रा में बेचने का झांसा देकर तथा अपनी महिला साथियों की मदद से महिलाओं के जेवर तथा रूपयों आदि चोरी व टप्पेबाजी करने का कार्य करते हैं।चोरी व टप्पेबाजी से जो भी धन प्राप्त होता है उसे चुन्नू उर्फ ठेकेदार के माध्यम से आपस में बांट लेते हैं।इनके द्वारा बताया गया कि यह जो जामातलाशी में धनराशि व मोबाइल फोन बरामद हुए हैं यह चोरी और टप्पेबाजी कर धनराशि अर्जित की गयी।पुलिस टीम द्वारा जांच में पाया गया कि कोतवाली शहर थाना पाली और बिलग्राम में इनके द्वारा चोरी और टप्पेबाजी की घटनाओं को अंजाम दिया था।पुलिस ने इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और उन्हें जेल भेज दिया है वहीं फरहा चुन्नू की तलाश में जुटी है। फिलहाल पुलिस इनके द्वारा विभिन्न जनपदों में अंजाम दी गई आपराधिक वारदातों,इनके अन्य साथियों और कौन–कौन बांग्लादेशी नागरिक इनके संपर्क में हैं इसकी जांच में जुटी है।

सेंट्रल बैंक कर्मियों ने दो दिन की हड़ताल पर किया प्रदर्शन

हरदोई। सेंट्रल बैंक कर्मियों की दो दिन की हड़ताल के पहले दिन शहर की रेलवे गंज स्थित मुख्य शाखा पर हड़ताली बैंककर्मियों ने विरोध प्रदर्शन किया। सेंट्रल बैंक की जिले की आठ शाखाओं में हड़ताल का व्यापक प्रभाव रहा। अधिकारियों के हड़ताल पर न होने से बैंक की शाखाएं खुलीं तो मगर कर्मचारियों के न होने से सामान्य कामकाज न हो सका। इस देशव्यापी हड़ताल का आह्वान यूनाइटेड फोरम ऑफ सेंट्रल बैंक यूनियंस ने किया है। सेंट्रल बैंक यूनियंस की स्थानीय बैंककर्मी नेता वर्षा मेहरोत्रा ने हड़ताली बैंककर्मियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बैंक मैनेजमेंट यूनियन के साथ हुए द्विपक्षीय समझौतों का सम्मान नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक मैनेजमेंट ने मनमाने तरीके से करीब 3 हजार क्लर्क कैशियर के ट्रांसफर दूरदराज इलाको में कर दिए हैं। यूपी बैंक इम्प्लाइज यूनियन के अध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे ने कहा कि किसी भी बैंक में मैनेजमेंट की मनमानी का डटकर विरोध होगा। यूनियन के जिला मंत्री अजय मेहरोत्रा ने कहा कि सेंट्रल बैंक के आंदोलन का अन्य बैंकों के कर्मचारी पूरा समर्थन करते हैं। यूनियन के वरिष्ठ नेता आर के पाण्डेय ने कहा कि सेंट्रल बैंक का मैनेजमेंट अनुचित श्रम व्यवहार कर रहा है। उन्होंने मैनेजमेंट के तानाशाही रवैये का विरोध करते हुये कहा कि मैनेजमेंट इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट के प्रावधानों के अंतर्गत द्विपक्षीय समझौतों का उल्लंघन कर रहा है इसलिये हड़ताल जैसी कार्यवाहियां मजबूरी बन गयी है। मंगलवार को फिर बैंककर्मी सेंट्रल बैंक की रेलवे गंज शाखा पर सुबह 10 बजे इकट्ठे होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। मंगलवार को भी हड़ताल जारी रहेगी। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से कौशलेंद्र शुक्ला, दीपक बाजपेई, अनादि मिश्र, साधना देवी, रोचिन सिन्हा, विभांशु सिंह, विवेक गुप्ता ,राम कृपाल, प्रकाश दुबे, शंकर लाल, कमलेश, तुलसी, दिनेश, सुरेश, गिरीश मौजूद रहे।

पीएम मोदी जी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

जौनपुर । नरेंद्र मोदी विचार मंच एवं मिशन न्यू इंडिया द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस नगर प्रभारीध जिला उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव के नेतृत्व में राजेश स्नेह ट्रस्ट आफ एजुकेशन दिव्यांग स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र रूहट्टा पर जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर संजय पांडे व राजेश श्रीवास्तव द्वारा किया गया। उनके दीर्घायु के लिये हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। साथ ही दिव्यांग बच्चों को तिलक एवं पुष्प लगाकर और फल मिष्ठान पेन कॉपी का भी वितरण किया गया।तदुपरांत स्कूल में वृक्षारोपण भी किया गया। डॉ0 संजय पांडे वह राजेश श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज देश को शीर्ष पर पहुंचाने वाले हमारे प्रधानमंत्री जी का जन्मदिन है हम उनके दीर्घायु होने की कामना करते हैं जिन्होंने आज भारत का पूरे विश्व में मस्तक ऊंचा किया है। संगठन के प्रांत महामंत्री डॉ संजय पांडे एवं प्रदेश महामंत्री राजेश श्रीवास्तव सूचना एवं प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव पत्रकार एवं नगर संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बढ़ती जा रही मंहगाई और बेरोजगारीः सपा

जौनपुर । समाजवादी पार्टी के देश बनाओं देश बचाओं पद यात्रा के दूसरे दिन केराकत से जफराबाद विधानसभा पहुंचे यात्रियों को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव ने किसानों, नौजवानों तथा छात्रों के मुद्दों पर चर्चा करते हुए इस बात पर चिंता जताई गई कि महंगाई और बेरोजगारी में वृद्धि हो रही है। नौजवान बेरोजगारी झेल रहे है। उनका भविष्य अंधकार में है। सूखे से किसानों की फसल बर्बाद हुई है, पशुओं की बीमारी बढ़ी है। गन्ना, धान की फसल सूखे से प्रभावित हुई है। बिजली संकट से लोग परेशान है। महंगी बिजली और बढ़े हुए बिजली बिलों के आने से लोगों में आक्रोश है। रजबाहों में पानी नहीं आ रहा है। पद यात्रा का नेतृत्व कर रहे अभिषेक यादव ने कहा आज शिक्षा क्षेत्र में भाजपा सरकार लापरवाही बरत रही है। प्राइमरी स्कूलों में पाठ्य पुस्तके नहीं पहुंची है। शिक्षा पर कंपनियां कब्जा करने की साजिश रच रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में हालत बदतर है। अस्पतालों में दवा, इलाज का अभाव है। डॉक्टर समय से नहीं बैठते हैं। मरीजों को इलाज नहीं मिल रहा है लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव राघवेंद्र यादव ने कहा लोकतांत्रिक व्यवस्था पर चोट हो रही है। 48 पत्रकार फर्जी मुकदमों में जेल में बंद है। नागरिकों की स्वतंत्रता खतरे में है। भाजपा सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी है। हर विभाग में भ्रष्टाचार और लूट मची है। किसी भी विभाग में जनता की सुनवाई नहीं है। विकास कार्य ठप्प हैं यात्रा मे मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष राज बहादुर यादव प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी ,सत्य नरायन रामनेत यादव यादव विकास यादव सचीन यादव, आदि लोग उपस्थित रहे।

कुर्ना नाले में डूबी छोटी बहन का भी शव मिला

देसही देवरिया। दादी के साथ के साथ जीवित्पुत्रिका पर कुर्ना नाला में स्नान के दौरान शाम को डूबीं दो सगी बहनों में छोटी बहन का भी शव सुबह मिल गया। दो बहनों की मौत से पूरे गांव में मातम पसर गया। परिवार के लोगों का दो दिनों से रो–रोकर बुरा हाल है। महुआडीह थानाक्षेत्र के बरनई गांव के दक्षिण कुर्ना नाला है। .. देर शाम गांव की महिलाएं जीवित्पुत्रिका पर स्नान करने गई थीं। लालमन यादव की दो बेटियां अपनी दादी के साथ स्नान करने गईं थीं। दोनों फिसलकर गहरे पानी में चलीं गईं। इससे वे डूब गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देर शाम बड़ी बहन अंशिका के शव को ढूंढ निकाला था। सुबह छोटी बहन राधा (10) का शव भी कुछ दूर आगे मिल गया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई की। उधर, दो सगी बहनों की मौत से परिवार गहरे सदमे में है। वहीं, पूरे गांव में मातम पसर गया है। इस संबंध में एसओ डॉ. महेंद्र कुमार ने बताया कि नाले में डूबी दूसरी बहन राधा का शव भी मिल गया है।

भाजपा सरकार गरीबों की सच्ची हितैषी : पंकज चौधरी

फरेंदा। सरकार गरीबों के कल्याण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है जिससे समाज के सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। गांव के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए कई प्रकार की योजनाएं हैं जिससे गांव की तस्वीर बदल रही है। गरीब परिवार के बच्चों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही है। यह बात केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने फरेंदा क्षेत्र के लेहड़ा, दुर्गामंदिर, शिवपुर, बेलनहवां व वनदेइया गांव में आयोजित चौपाल में कही। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि देश की मोदी सरकार ने विश्व के पटल पर देश का नाम रोशन किया है। जिसकी सराहना पूरा विश्व कर रहा है। पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह ने कहा भाजपा सरकार में अच्छी सड़कें, शुद्ध पेयजल के साथ गांव गांव शौचालय का निर्माण करा कर क्षेत्र को स्वच्छ रखने की व्यवस्था की है। प्रदेश की कानून व्यवस्था मजबूत हुई है। नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश जायसवाल ने कहा नगरों के साथ गांव को विकसित करने का प्रयास सरकार कर रही है। नगर के विस्तारीकरण कर ग्रामीण क्षेत्र को भी शहरी सुविधा मिल रही है। इस दौरान विधायक जयमंगल कन्नौजिया, विवेका पांडेय, हरिश्चंद सोनकर, जितेंद्र शर्मा, परमानंद तिवारी, डब्बू सिंह आदि मौजूद रहे।

पांच साल में 11 हजार महंगी हो गई मां दुर्गा की प्रतिमा

महराजगंज। दशहरा पर्व करीब है। कलाकार मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। मूर्तिकारों को एक प्रतिमा बनाने में तीन से चार दिन का वक्त लगता है। कलाकारों का कहना है कि अब प्रतिमा बनाने का खर्च बढ़ गया है। इस कारण इस साल करीब 11 हजार रुपये तक महंगी हो गई है मां दुर्गा की प्रतिमा। मां दुर्गा की एक प्रतिमा की कीमत 18 से 80 हजार रुपये तक है। इन दिनों कलाकार सहयोगियों के साथ मां दुर्गा के अलावा मां सरस्वती, लक्ष्मी जी, गणेश जी, कार्तिकजी, शिव जी, पार्वती जी महिषासुर व बाघ आदि की प्रतिमाएं बनाने में जुटे हैं। सिसवा व कोठीभार में चार मूर्तिकार मां दुर्गा की प्रतिमा बना रहे हैं। कोलकाता से सिसवा कस्बे में आए मूर्तिकार समीर विश्वास ने बताया कि पिता शंभू विश्वास के साथ 40 साल पहले आया था। समीर कहते हैं कि पहले और अब के वक्त में बहुत अंतर आ गया है। प्रतिमा बनाने वाली सामग्री अब बहुत महंगी हो गई है। समीर ने बताया कि पिता की मौत के बाद से प्रतिमा बनाने का कार्य शुरू किया। पांच वर्ष पहले प्रतिमाओं की कीमत सात हजार से 60 हजार रुपये तक होती थी। अब लागत बढ़ने के कारण प्रतिमाओं के मूल्य में बढ़ोतरी हो गई है। प्रतिमाओं के लिए जो पेंट प्रयोग किया जाता है, वह एक से दो हजार रुपये लीटर मिलता है। लॉकडाउन के समय सस्ती प्रतिमाएं बिकी थीं। उस समय सिर्फ लागत मूल्य निकल पाई थी। सभी खर्च काटने के बाद प्रति प्रतिमा दो हजार रुपये का फायदा हुआ था। मूर्तिकार संजीत विश्वास ने बताया कि कच्चा सामान महंगा होने के कारण प्रतिमाओं का मूल्य बढ़ गया है। यह कारोबार अब मुनाफे का नहीं रह गया है। कोठीभार के दिनेश और सुजीत ने भी समस्याओं का जिक्र करते हुए कच्चा सामान महंगा होने की बात कही। कस्बे में छह माह रहकर करते हैं कामः कोलकाता से आए मूर्तिकार सिसवा कस्बे में छह माह रहकर विभिन्न देवी देवताओं की प्रतिमाएं बनाते हैं। जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, दशहरा, लक्ष्मी पूजा के लिए प्रतिमाएं बनाते हैं। मूर्तिकारों के साथ राजकुमार चौधरी, विशुन दास और नंदू साहनी सहित पांच लोग सहयोग में रहते हैं। वर्ष 2017 में 7 हजार से लेकर 45 हजार तक वर्ष 2018 में 10 हजार से 50 हजार तक वर्ष 2019 में 13 हजार से 60 हजार तक वर्ष 2020–21 में लॉक डाउन के कारण 10 हजार तक की प्रतिमाएं बिकी थीं वर्ष 2022 में 18 हजार से लेकर 80 हजार की प्रतिमाएं बन रही हैं

पशुओं के लम्पी स्किन रोग पर मोबाइल वेटरनरी वैन पड़ेगा भारी,हरी झंडी दिखाकर हुआ रवाना

कुशीनगर। जिले के पशुओं को लम्पी स्किन रोग पर मोबाईल वेटनरी

वैन भारी पड़ने वाला है।वैन में एक डॉक्टर एक पैरा वेटरनरी स्टाप साथ में चलेगा। सोमवार को जिलाधिकारी एस.राजलिंगम मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद हेतु 02 मोबाइल वेटरनरी यूनिट वैन अभी उपलब्ध है। इस मोबाइल वैन में पशुओं के माइनर ऑपरेशन का सारा सामान, सर्जिकल उपकरण, वैक्सीनेशन, ट्रीटमेंट, कृत्रिम गर्भाधान आदि की व्यवस्था मौजूद है। वैन में एक डॉक्टर, एक पैरा वेटनरी स्टाफ साथ में चलेंगे। उन्होंने और जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में लंपी स्किन रोग के रोकथाम हेतु गॉट पॉक्स वैक्सीन के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों में पशुओं का ट्रीटमेंट किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आगे 1962 टोल फ्री नंबर के माध्यम से 10 किलोमीटर के रेडियस में जहां पशु चिकित्सालय या पशुओं की चिकित्सा संबंधित कोई सुविधा मौजूद ना हो एक कॉल पर इस वैन को बुलाया जा सकेगा। उन्होंने यह भी बताया कि लगभग 01 लाख पशुओं की आबादी पर एक मोबाइल वैन की सुविधा प्रदान की गई है। पशु चिकिसाधिकारी ने बताया कि लम्पी स्किन रोग से बचाव हेतु टीकाकरण हेतु 4000 डोज का लक्ष्य प्रतिदिन का निर्धारित किया गया है।

शहर में 97 जर्जर भवन जानलेवा, ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं

देवरिया। नगर पालिका परिषद ने करीब छह माह पहले शहर के पचीस वार्डों के जर्जर भवनों का सर्वे कराया था। इसमें 97 मकानों की सूची तैयार कर नोटिस जारी किया गया था। पर सच तो यह है कि शहर में करीब ढाई सौ से अधिक मकान जर्जर हो चुके हैं। इसमें अधिकतर में लोग रहते हैं। नगर पालिका ने सभी भवन स्वामियों को नोटिस देकर ध्वस्तीकरण करने के निर्देश दिए थे। पर जर्जर मकान ध्वस्त हुए कि नहीं इसकी सुध किसी ने नहीं ली। इसके चलते जर्जर भवन सीना ताने खड़े हैं।

शहर में 25 वार्ड हैं। इनमें से 22 वार्डों में जर्जर भवन हैं। नगर पालिका के सर्वे पर ध्यान दिया जाए तो जर्जर की संख्या 97 दर्ज की गई है। इसमें गरुणपार, रामनाथ देवरिया, रामगुलाम टोला, रौनियारी, अबूबकर नगर, न्यू कॉलोनी, साकेत नगर, देवरिया खास, सब्जी मंडी, तहसील, मालवीय रोड, पेड़ा गली, भीखमपुर रोड सहित अन्य जगहों पर ये भवन हैं। अधिकतर मकान 60 से 98 साल पुराने हैं। जर्जर मकानों के कारण हमेशा हादसे का भय बना रहता है।

नगर पालिका ने जर्जर मकानों को खाली कराने के लिए नोटिस तो दिया, लेकिन ध्वस्तीकरण नहीं हो पाया है, क्योंकि डेढ़, दो साल पहले जर्जर भवनों की संख्या कागज में महज 54 थी, लेकिन इस बार बढ़ गई है। इससे साफ जाहिर होता है कि जर्जर भवन की संख्या शहर में कागजी आंकड़ों से अधिक है।

मकान मालिक और किराएदारी के विवाद में बढ़ रही है संख्या

देवरिया। शहर में कई जगहों पर काफी दिनों से निवास करने वाले लोगों ने कब्जा जमा लिया है। मकान मालिक से विवाद के कारण वह कब्जा छोड़ नहीं रहे हैं। इन जगहों पर स्थित मकानों का विवाद न्यायालय में चल रहा है। कुछ कब्जाधारी किराया भी न्यायालय में जमा करते हैं। इस तरह के जर्जर मकानों पर नगर पालिका और प्रशासन कार्रवाई नहीं कर सकता है। सुबह जिस मकान में हादसा हुआ है, इस मकान का भी एक पक्ष ने स्थगन आदेश ले रखा है। इन विवादों के कारण भवनस्वामी मकान की मरम्मत नहीं कराते हैं, क्योंकि उनको पता होता है कि मकान की मरम्मत न होने पर कब्जा जमाने वाला व्यक्ति अपने आप चला जाएगा। इस चक्कर में भी जर्जर मकानों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

बस स्टेशन भी है कंडम घोषित

देवरिया। शहर के बस स्टेशन सहित कुछ अन्य विभाग के भवन भी जर्जर हो चुके हैं, जिनमें रहना खतरे को मोल लेना होगा। नए बस स्टेशन भवन के निर्माण की आस लोग लगाए हुए हैं। इस भवन का हाल यह है कि जर्जर होने के बाद हर रोज हजारों की संख्या में यात्री आते–जाते रहते हैं। जर्जर भवन के नीचे कर्मचारी काम निपटाते हैं।

मां को मिल चुका है कांशीराम आवास

देवरिया। मृतक दिलीप की मां प्रभावती देवी के नाम पर पुलिस लाइंस के पास स्थित कांशीराम आवासीय योजना में आवास आवंटित है। पर यहां पर ताला बंद रहता है। वह अपने बेटों के साथ अंसारी रोड पर रहती हैं। विभागीय सूत्रों की बातों पर गौर किया जाए तो कई ऐसे किराएदार हैं, जो मकान बनवा चुके हैं, लेकिन जर्जर भवन में निवास करते हैं। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है कि वह काफी दिनों से शहर के विभिन्न मोहल्लों रहते आए हैं। अब मकान को छोड़ना नहीं चाहते हैं।

फिर से होगा सर्वे

देवरिया। ईओ रोहित सिंह ने बताया कि हादसा जिस मकान में हुआ है, उसका विवाद न्यायालय में विचाराधीन है। इसी तरह कई मकान हैं। नगर पालिका ने 97 मकानों को जर्जर घोषित किया है। सभी नोटिस भी दिया गया है। कुछ लोगों ने मकान को गिरवा दिया है। एक बार फिर से सभी वार्डों का सर्वे कराया जाएगा।

जर्जर दो मंजिला मकान गिरा, दबकर पति–पत्नी और बेटी की मौत

देवरिया। शहर के अंसारी रोड पर स्थित एक व्यवसायी का जर्जर मकान भोर में गिर गया। मकान में किराए का कमरा लेकर रहने वाले पति–पत्नी और बेटी की मलबे में दबने से मौत हो गई। करीब तीन घंटे के रेस्क्यू के बाद तीनों शवों को मलबे से बाहर निकाला गया। घटना के बाद काफी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। प्रशासन और पुलिस राहत बचाव कार्य में जुटी हुई है। व्यवसायी सत्य प्रकाश बरनवाल का काफी पुरानी जर्जर दो मंजिला मकान अंसारी रोड पर है। जर्जर मकान में काफी समय से दिलीप (35) पुत्र गोपाल पत्नी चांदनी (30) रहते थे। दोनों मजदूरी कर भरण–पोषण करते थे। रात पति, पत्नी और पुत्री चांदनी (2) नीचे के तल के कमरे में एक ही पास सोए थे। जबकि इसी तल पर मां प्रभावती देवी भी सोई थीं। भोर में उनकी नींद खुल गई और उठकर बाहर निकलीं, इसी दौरान अचानक मकान भरभरा कर गिर गया। इसमें तीन लोग दब गए। तेज आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंच गए और डॉयल 112 को सूचना दी। पुलिसकर्मियों ने घटना के बारे में आला अफसरों को जानकारी दी। मौके पर एसपी संकल्प शर्मा, सीओ श्रीयश त्रिपाठी सहित अन्य दमकल विभाग के कर्मियों तथा गाड़ी के साथ पहुंच गए। दमकलकर्मियों की सहायता से करीब तीन घंटे के प्रयास के बाद तीनों को मृत अवस्था में बाहर निकाला गया।

मलबे में समाया कुनबा, संयोगवश बच गई मां

देवरिया। करीब 90 साल पुराने भवन में दिलीप उसकी पत्नी और मां प्रभावती देवी रहती थीं। जबकि इसके बगल में कमरे में दिलीप का भाई मनोज इसी जर्जर मकान में रहता है। करीब तीन पीढ़ी से इस मकान में यह परिवार गुजर करता है। मकान को लेकर भवनस्वामी और किराएदार का न्यायालय में विवाद भी चला आ रहा है। दिलीप के दादा इस मकान में किराए पर कमरा लेकर रहने लगे थे। यह तीसरी पीढ़ी है कि दिलीप और उसका भाई मनोज मकान में हैं। घटना की रात दोनों भाई अलग–अलग भोजन करने के बाद अपने कमरे में सोने के लिए चले गए। मां प्रभावती देवी बेटे दिलीप के साथ रहती थीं। करीब साढ़े तीन बजे भोर में मां सोकर उठीं और बहार बाथरूम के लिए निकल गईं। इसी दौरान अचानक दिलीप का कमरा भरभरा कर गिर गया। बगल में सोए भाई मनोज और कुछ ही देर में लौटी मां प्रभावती ने देखा तो शोर मचाना शुरू कर दिया। करीब आधे घंटे बाद पुलिस महकमा और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और राहत, बचाव के कार्य में जुट गए। मलबा हटाने में करीब ढाई से तीन घंटे का समय लग गया। तब तक दिलीप का पूरा कुनबा मौत की नींद सो चुका था। शव निकलते ही पूरा परिवार दहाड़ें मार कर रोने लगा। आसपास के लोग सांत्वना देने में जुट गए।

सांसद, डीएम, एसपी ने पीड़ित परिवार के जख्म पर लगाया मरहम

देवरिया। शहर के बीच मोहल्ले में संकरी गली स्थित पुराने मकान के मलबे में दबकर मरने की सूचना पर सांसद डॉ. रमापति राम त्रिपाठी, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, एसपी संकल्प शर्मा मौके पर पहुंच गए। हर तरफ रोने की आवाज सुनाई पड़ रही थी। यह देखकर मौजूद सभी लोग भावुक हो गए। सांसद ने दिलीप की मां और भाई के परिजनों को ढांढस बंधाया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने पीड़ित परिजनों को दाहसंस्कार के लिए आर्थिक मदद की। जबकि दूसरी तरफ आपदा राहत कोष से प्रत्येक को चार–चार लाख रुपये दिलाने की बात कही गई। इसके लिए मां प्रभावती देवी का आला अफसरों ने बैंक खाता और आधार नंबर लिया। सभी ने एक स्वर से मदद करने का आश्वासन दिया। इस दौरान एएसपी राजेश कुमार, एसडीएम सौरभ सिंह, ईओ रोहित सिंह, सभासद अजय गुप्ता, अनूप पांडेय, भाजपा नेता अमित मोदनवाल, उद्योग व्यापार मंडल के अजय वर्मा, किराना मंडी महामंत्री अमर नाथ गुप्ता आदि मौजूद रहे।

तीन साल बाद होगा महराजगंज महोत्सव, कुमार विश्वास आएंगे

महराजगंज। तीन साल बाद इस साल फिर महराजगंज महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। डीएम सत्येंद्र कुमार के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया है। महोत्सव का शुभारंभ एक अक्तूबर को जवाहर लाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज में होगा। पहले दिन शाम को होने वाली काव्य संध्या में प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास समेत अन्य लोग प्रस्तुति देंगे। महोत्सव को संपन्न कराने के लिए तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने बताया कि महराजगंज महोत्सव एक से तीन अक्तूबर तक चलेगा। हालांकि यदि मौसम अनुकूल नहीं रहा तो कार्यक्रम आगे भी बढ़ाया जा सकता है। प्रत्येक दिन के कार्यक्रमों को चार सत्रों में बांटा जाएगा। पहला सत्र दोपहर 12 से तीन बजे, दूसरा सत्र दोपहर तीन से शाम छह बजे, तीसरा सत्र शाम छह से रात नौ बजे और चौथा सत्र रात नौ बजे से 12 बजे तक आयोजित होगा। कार्यक्रम में स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर के कलाकार प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम स्थल पर दो से तीन हजार लोगों के बैठाने की व्यवस्था बनाई जा रही है।

उत्पाद व स्टाल भी लगेंगेः महराजगंज महोत्सव में एक जनपद एक उत्पाद के तहत चयनित फर्नीचर के उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों का भी स्टाल लगाया जाएगा। महोत्सव में बच्चों व महिलाओं के मनोरंजन पर जोर दिया गया है। इच्छुक कारोबारियों को भी स्टाल उपलब्ध कराया जाएगा।

अपर जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर देखी स्थितिः अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा व अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार ने . शाम को कार्यक्रम स्थल के लिए चयनित स्थल पर पहुंचकर जायजा दिया। कार्यक्रम को बेहतर ढंग से संपन्न कराने के लिए अधिशासी अधिकारी व अन्य लोगों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस दौरान अधिशासी अधिकारी आलोक कुमार सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक समेत चार पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

पनियरा/मुजुरी। क्षेत्र के औरहिया ग्रामसभा में मनरेगा से कराए गए कार्य के भुगतान में अनियमितता की शिकायत पर ग्राम प्रधान, रोजागर सेवक और दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की धारा में केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि ग्राम प्रधान व रोजगार सेवक ने किसी और के मनरेगा जॉब कार्ड पर किसी दूसरे को मजदूरी का भुगतान कर दिया है। बीडीओ पनियरा के निर्देश पर ग्राम सचिव अभिषेक पांडेय ने पनियरा थाने में तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र की ग्रामसभा औरहिया में मनरेगा से कराए गए मिट्टी के कार्य में किसी और के जॉब कार्ड पर दूसरे को मजदूरी का भुगतान करने का मामला सामने आया है। इस मामले में मुख्यमंत्री, मंडलायुक्त व डीएम से शिकायत हुई थी। मंडलायुक्त ने मामले में जांच के लिए सीडीओ को निर्देश दिया था। शिकायतकर्ता पारस के मुताबिक कुछ दिनों पहले गांव के टोला रायपुर में क्षेत्र पंचायत द्वारा रायपुर से ग्राम पंचायत अइबड़हवां मां बामत के स्थान तक मिट्टी का कार्य कराया गया है। दशरथ के खेत से अमहवां नाला तक मिट्टी का कार्य करवाकर भुगतान कराया है। उन्होंने मस्टरोल व जॉब कार्ड में फर्जीवाड़ा कर शासकीय धन का गबन करने का आरोप लगाया। शिकायतकर्ता ने सभी का ब्योरा दिया है। बीडीओ डॉ. सुशांत सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत अधिकारी की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। थानाध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत अधिकारी की तहरीर पर ग्राम प्रधान विंद्रावती देवी, रोजगार सेवक रामयज्ञ, शकुंतला व सोनू के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मजदूरों का बयान दर्ज किया

पनियरा। ग्रामसभा औरहिया में मनरेगा में फर्जी भुगतान के मामले में तीन सदस्यीय टीम जांच करने पहुंची। मनरेगा मजदूरों से पूछताछ कर लोगों का बयान दर्ज किया। तीन सदस्यीय टीम में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अर्जुन सिंह, एडीओ कोआपरेटिव वरुणेंद्र शाही व एपीओ मनरेगा अवनीश शुक्ला रहे। एपीओ मनरेगा ने बताया कि सभी जॉब कार्ड धारकों का उपस्थित रजिस्टर, मस्टररोल की छानबीन हुई है। उन्होंने बताया कि जांच की रिपोर्ट सीडीओ को प्रेषित की जाएगी। संवाद

ग्राम प्रधान, ग्राम रोजगार सेवक पर गबन का मुकदमा

मिठौरा। क्षेत्र की ग्रामसभा गौनरिया राजा के ग्राम प्रधान व ग्राम रोजगार सेवक के विरुद्ध देर रात ग्राम विकास अधिकारी मिठौरा की तहरीर पर चौक थाने की पुलिस ने गबन का मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसके पूर्व विकास खंड मिठौरा, सिसवा व निचलौल में मनरेगा में धांधली हो चुकी है और जांच के बाद अधिकारियों के निर्देश पर संबंधित के विरुद्ध मुकदमा भी दर्ज किया गया है। इस तरह का मामला विकास खंड मिठौरा क्षेत्र के ग्राम सभा गौनरिया राजा में प्रकाश में आया है।

ग्राम विकास अधिकारी की तहरीर पर चौक पुलिस ने ग्राम प्रधान व रोजगार सेवक के खिलाफ सरकारी धन गबन करने का मामला दर्ज किया है। ग्राम विकास अधिकारी बालमुकुंद पांडेय की तहरीर पर पुलिस ने ग्राम प्रधान कृष्ण वर्मा व ग्राम रोजगार सेवक संतोष के विरुद्ध केस दर्ज किया है। तहरीर के अनुसार गांव के ही एक मृत व्यक्ति के खाते में मनरेगा का पैसा भेजने का मामला प्रकाश में आया है। थानाध्यक्ष चौक श्यामसुंदर तिवारी ने बताया कि ग्राम प्रधान व रोजगार सेवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चार बड़े कारोबारी करोडों के हीरोइन के साथ गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/नौतनवां। सोनौली पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने नशा

कारोबारियों को पकड़ने के लिए सोमवार की शाम अभियान चलाया। देर रात तक चले अभियान में पुलिस व एसएसबी को बड़ी सफलता मिली। चार अलग–अलग स्थानों पर पुलिस ने चार लोगों को जिन लोगों को पुलिस ने पकड़ा है यह लोग काफी दिनों से अपने इस धंधे को अंजाम दे रहे थे जलील और दिनेश यह लोग कयो बार जेल की हवा खा चुके हैं लेकिन जेल से छूटने के बाद फिर उसी धंधे में सक्रिय हो जाते हैं इन लोगों को प्रशासन का थोड़ा सा भी भय नहीं था लेकिन इस बार सोनौली कोतवाली प्रभारी द्वारा जो कार्रवाई की गई है इससे सभी कारोबारी दहशत के माहौल में जी रहे हैं। पुलिस और एस एस बी के छापे मारी मे 165 ग्राम हेरोइन के साथ चार लोगों धर दबोचा है। पकड़े गए लोगों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर मंगलवार को जेल भेज दिया गया। इस दौरान श्यामकाट पुल के पास पाथर गुप्ता निवासी चंडलहा थाना क्षेत्र नौतनवा को 100 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा। सोनौली के डंडा हेड पुल के पास मोहम्मद जलील निवासी वार्ड नंबर चार माधव नगर कस्बा सोनौली को 15 ग्राम हेरोइन के साथ धर दबोचा गया। सोनौली के तिलहवा के पास दिनेश लोधा निवासी माधवनगर वार्ड कस्बा सोनौली को 20 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा गया। नवज्योति स्कूल के पीछे शफी मोहम्मद उर्फ फिरोज निवासी चौतरवा थाना को पकड़ा गया। जिसके पास 30 ग्राम हीरोइन बरामद हुआ है।

राम जानकी मंदिर पर भारती जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा झाड़ू लगाकर स्वच्छता दिया संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/नौतनवां। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा नौतनवां आज दिन

मंगलवार दिन में 11.00 बजे आदर्श नगर पंचायत सोनौली देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर पार्टी द्वारा आयोजित सेवा पखवाड़ा स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत सोनौली राम जानकी मंदिर परिसर में सोनौली के मुख्य सड़क पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं द्वारा स्वच्छ किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष अश्वनी मधुर सिंह उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्य रूप से विधानसभा संयोजक राधे श्याम सिंह मंडल अध्यक्ष विष्णुदेव चौरसिया मंडल उपाध्यक्ष प्रेम जायसवाल समाजसेवी कन्हैया लाल साहू सेक्टर प्रमुख प्रेमनाथ सिंह जिला कार्यकारिणी सदस्य संजीव जयसवाल भाजपा नेता अखिलेश त्रिपाठी शोध प्रमुख हरि नारायण लोधी मंडल महामंत्री सुभाष चंद्र यादव मंडल मंत्री राजकुमार राजू भारती मंडल मंत्री सागर विश्वकर्मा सोशल मीडिया मनोज मद्धेशिया निकाय प्रकोष्ठ नगर संयोजक कृष्णा जायसवाल पंडित नरेंद्र तिवारी जनार्दन गुप्ता सत्येंद्र नाथ सिंह मनीष साहू शक्ति सिंह अमरजीत वर्मा सुनील जायसवाल आदि पदाधिकारी कार्यकर्ता बंधु नगरवासी उपस्थित रहे।

केकराही स्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य व स्वच्छता शिविर का हुआ आयोजन

भाजपा के मंडल अध्यक्ष डॉ0 धर्मेंद्र शर्मा ने फीता काटकर स्वास्थ्य व स्वच्छता पखवाड़े शिविर का किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित सेवा पखवाड़ा के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केकराही परिसर में स्वास्थ्य,स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया। भाजपा के मंडल अध्यक्ष डॉ0 धर्मेंद्र शर्मा ने फीता काटकर स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया। स्वास्थ्य, स्वच्छता शिविर में सर्वप्रथम परिषर की साफ सफाई की गई, फिर मरीजों को निःशुल्क फल, खाद्य सामग्री के साथ दवाइयां बांटी गई और जांच भी कराई गई। दर्जनों मरीजो ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। स्वास्थ्य शिविर में मलेरिया टाइफाइड, शुगर, ब्लड प्रेशर इत्यादि की निःशुल्क जांच की गई। अधीक्षक डॉ0 एस के चतुर्वेदी ने कहा कि इस समय ज्यादातर मरीज वायरल बुखार व सर्दी खासी से पीड़ित है। वायरल बुखार व सर्दी खांसी से बचने के लिए साफ व स्वच्छ गुनगुना पानी का प्रयोग करें घरों के आस पास सफाई व्यवस्था बनाए रखें, और पास के सरकारी अस्पताल में जाकर चिकित्सक द्वारा लिखी गयी दवाओं का सेवन करे। बाजार की चीजों को खाने से बचें। इस दौरान मंडल महामंत्री मनीष मिश्र, मंडल उपाध्यक्ष अरविन्द श्रीवास्तव, मंत्री अमर नाथ मौर्य, बूथ अध्यक्ष आनंद केशरी सहित इत्यादि लोग मौजूद रहे।

बर्डपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर चला स्वच्छता अभियान

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत बर्डपुर मंडल में चला वृहद स्वच्छता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत मंगलवार को स्वच्छता अभियान को लेकर भाजपा बर्डपुर मण्डल अंतर्गत नव सृजित नगर पंचायत कपिलवस्तु के सभी वार्डों में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक स्थलों पर साफ सफाई का अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया। स्वच्छता कार्यक्रम को लेकर वार्ड संख्या 2 के प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय मोहनाजोत में मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय की अगुवाई में विद्यालय परिसर की सफाई की गई। इस दौरान उन्होंने मोदी योगी सरकार की उपलब्धियों को भी गिनाया। वहीं दूसरी नगर पंचायत के अन्य वार्डों में भी अजय उपाध्याय, राजकुमारी पाण्डेय, ओम प्रकाश यादव, अमित उपाध्याय सबलू साहनी, संतोष उपाध्याय, श्यामप्रकास जयसवाल, फूलचंद जयसवाल, वीरेंद्र जायसवाल आदि के नेतृत्व में विद्यालय, मंदिर परिसर सहित कई सार्वजनिक स्थलों पर सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में पवन पाठक,अभिषेक कसौधन, सतीश जायसवाल, विवेक गोस्वामी, किशोरीलाल जयसवाल, श्याम बिहारी मिश्र ,श्याम प्रकाश जयसवाल, कमलेश जायसवाल, अर्जुन शर्मा, आशीष मिश्र, विनय वर्मा, रामशंकर, रामकेवल गुप्ता, शिवकुमार, विनय कुमार, हृदय नारायण पाण्डेय, संतोष यादव, अफजल आदि ने सफाई अभियान के तहत साफ सफाई की।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर चला सभी मंडलों में सफाई अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत चौथे दिवस जनपद के सभी मण्डलों के सभी बूथों एवं वार्डो में वृहद स्वच्छता अभियान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। राबर्ट्सगंज नगर के रोडवेज बस स्टैण्ड मे भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे व नगर के कार्यकर्ताओं ने समुचे परिसर की स्वच्छता कर आम जन को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने का कार्य किया। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रथम लक्ष्य स्वच्छता व उत्तम स्वास्थ्य है क्योकि स्वस्थ्य शरीर मे ही स्वस्थ्य मन का वास होता है और स्वच्छता से ही हम अपने व अपने परिवार का स्वास्थ्य ठीक रख सकते है। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा पखवारा के अंतर्गत 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक प्रतिदिन के सेवा कार्य तय है, प्रत्येक दिन कार्यकर्ता समाज के हर वर्ग के उत्थान व विकास के लिए कार्य कर रहे है जनपद मे रोजगार संवर्धन दिव्यांग जनों की सहायता स्वच्छता अभियान सहित हर कार्यक्रम मोदी के संकल्प को पूर्ण करने के लिए समर्पित है। इस अवसर पर नगर मण्डल अध्यक्ष बलराम सोनी, दिनेश गुप्ता, बूथ अध्यक्ष छोटू खां, महामंत्री विनोद सोनी आदि उपस्थित रहे।

एकता ही आपको बनाएगी मजबूत प्रधान जिला अध्यक्ष-पवन मिश्र

खण्ड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौप कर प्रधान संगठन ने उठाई मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। उसका ब्लॉक सभागार में प्रधान संगठन के लोगो ने बैठक आयोजित की गई बैठक का संचालन कर रहे ग्राम तिघरा के प्रधान ब्रह्चारी दूबे द्वारा किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रहे प्रधान अध्यक्ष पवन मिश्र वही बैठक में प्रधानों ने आवाज भी उठाई है कि ब्लॉक पर 14: कमीशन देना पड़ता है पहले ही कमीशन दे दिया जाता है तब जाकर ग्राम प्रधान अपने गांव में काम कराता है ब्लॉक में बिना रुपए एक भी कार्य नही किया जाता है और ब्लॉक में प्रधानों की कोई भी समस्या का निवारण नही होता है सभी प्रधानों ने एक एक होकर बैठक में अपनी बातों को रखे बैठक में 47 ग्राम प्रधानों में से 32 ही ग्राम प्रधान उपस्थित रहे प्रधान जिलाध्यक्ष पवन मिश्र ने प्रधानों को सुझाव देते हुए कहे कि अगर कोई रोजगार सेवक आपका डोंगल लिया है तो आप सभी प्रधान वापस ले ले जिससे आप सब कही बझने न पाए प्रधान जितने भी है एक बात का ध्यान रखे कि जनता की समस्या खुद सुने न कि रोजगार प्रधान संगठन के लोगो ने खण्ड विकास अधिकारी को प्रधानों ने समस्याओं को लेकर ज्ञापन भी दिया है ज्ञापन के माध्यम से प्रधानों ने बताया कि ग्राम विकास अधिकारी सदानंदन यादव के साथ में प्रधान नहीं काम करेंगे और ग्राम विकास अधिकारी को हटा दिया जाय वही खण्ड विकास अधिकारी राकेश शुक्ला ने प्रधानों की समस्या का समाधान का आश्वासन भी दिया गया।

मारकुंडी घाटी मे ट्रांसपोर्ट का माल लदी ट्रक उतरते समय अनियंत्रित होकर खाई मे गिरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गुरमा/सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के मारकुंडी घाटी मे मंगलवार की अल सुबह रेडीमेड कपड़ो से भरी ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी जिससे ट्रक के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे मे ट्रक चालक व खलासी गंभीर रूप से जख्मी हो गए ट्रक मे लदा रेडिमेट कपड़ो व गारमेंट्स की सामाग्री बिखर गई। सूचना पाकर मौके से पहुचे चौकी इंचार्ज गुरमा राजेश सिंह ने कड़ी मशक्कत के बाद खाई मे दोनो जख्मीयो को बाहर निकलावाकर एम्बुलेंस से जिला चिकित्सालय भेजवा गया जिसमे एक की हालत नाजुक बताई गयी है बताया जा रहा है की उक्त ट्रक गाजियाबाद से कपड़ो के रेडिमेट गारमेंट्स एंव अन्य सामग्री लादकर उड़ीसा जा रही थी मारकुंडी घाटी के तीसरे मोड़ उतरते समय अनियंत्रित होकर खाई मे जा गिरी।

राष्ट्रवादी पार्टी ऑफ इंडिया ने स्व. राजीव गोस्वामी को किया याद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राष्ट्रवादी पार्टी ऑफ इंडिया आरक्षण विरोध के अग्रदूत श्रद्धेय स्व. राजीव गोस्वामी जिन्होंने सात अगस्त 1990 को लोक सभा में पारित होने वाले मंडल कमीशन के विरोध में अपने साथियों के साथ 19 सितंबर 1990 को आत्मदाह कर लिया था स्व. राजीव गोस्वामी को याद करते हुए सोनभद्र के राबर्ट्सगंज में राष्ट्रवादी पार्टी ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष विजय शुक्ला के नेतृत्व में हरेंद्र मिश्रा (प्रदेश उपाध्यक्ष), श्यामकिशोर मिश्र एडवोकेट, (विंध्याचल मंडल अध्यक्ष), मुन्ना गुर्जर (दुद्धी विधान सभा अध्यक्ष) आजाद अहमद विष्णु गुप्ता देवेंद्र सिंह इत्यादि पदाधिकारी गण 2 दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश अध्यक्ष विजय शुक्ला ने तत्कालीन सरकार को आगाह करते हुए कहा कि असंवैधानिक नीतियां आरक्षण एस सी एस टी एक्ट को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर देश और समाज में समानता का अधिकार स्थापित किया जाए।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:- 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:- 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:- 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:- 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:- 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:- 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:- 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:- 9454400305
थाना मोहाना	मो0:- 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:- 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:- 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:- 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:- 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:- 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:- 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:- 9454404236
थाना इटवा	मो0:- 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:- 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:- 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:- 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:- 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:- 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:- 9454404232
थाना लोटन	मो0:- 9454404237
महिला थाना	मो0:- 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

शहरी आवास कॉलोनी में सुविधाओ के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बाढ़ से विस्थापित ग्राम कल्याणपुर के 66 परिवारों के लिए बनेगी शहरी आवास कॉलोनी, जिसका शीघ्र ही जनप्रतिनिधि गण द्वारा भूमि पूजन कराया जाएगा। जिलाधिकारी डॉ महेंद्र कुमार द्वारा बाढ़ से विस्थापित ग्राम कल्याणपुर के लिए टेंगनहिया मानकोट में बनने वाले शहरी आवास कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं विद्युत, पेयजल, सड़क आदि उपलब्ध कराए जाने हेतु विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की गई। उन्होंने कॉलोनी के नक्शे के अनुसार नाली, बाउंड्री वॉल, पार्क,सीसी रोड आदि बनाने में खर्चे का आकलन कर कन्वर्जेंस के माध्यम से कार्य कराए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी शहरी आवास कॉलोनी का नक्शा देख ले एवं नक्शे के अनुरूप कार्य कराएं। पेयजल कनेक्शन के लिए जल जीवन मिशन में डीपीआर में सम्मिलित किए जाने का निर्देश दिया गया। शहरी आवास कॉलोनी में सामुदायिक शेड, सोलर लाइट की व्यवस्था का निर्देश दिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ ज्योति गौतम, एसडीएम बलरामपुर सदर राजेंद्र बहादुर, जिला विकास अधिकारी गिरीश चंद्र पाठक, परियोजना निदेशक चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, खंड विकास अधिकारी विकासखंड बलरामपुर व अन्य संबंधित अधिकारीध्कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

स्नातक की तृतीय मेरिट लिस्ट जारी,काउंसिलिंग 22 सितम्बर से

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा/सोनभद्र। नगर के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में बीए, बीएससी, बीकॉम प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु आवेदन किये हुए अभ्यर्थियों की तीसरी मेरिट लिस्ट महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा सीट वृद्धि के पश्चात 19 सितम्बर 2022 को महाविद्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी गयी। उक्त आशय की जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ प्रमोद कुमार ने बताया कि बीएससी प्रथम वर्ष के तृतीय मेरिट लिस्ट के समस्त अभ्यर्थियों काउंसिलिंग 22 सितम्बर 2022 को, बीकॉम प्रथम वर्ष के तृतीय मेरिट लिस्ट के समस्त अभ्यर्थियों कि काउंसिलिंग 23 सितम्बर 2022 को एवं बीए प्रथम वर्ष के तृतीय मेरिट लिस्ट के समस्त अभ्यर्थियों कि काउंसिलिंग दिनांक 24 सितम्बर 2022 को दोपहर 12 बजे से अपराहन 4 बजे तक महाविद्यालय परिसर में सम्पन्न होगी। प्रवेश काउंसिलिंग हेतु सभी अभ्यर्थियों को अपने साथ प्रवेश आवेदनपत्र, टीसी, सीसी, हाईस्कूल, इंटर मीडिएट का अंक पत्र प्रमाणपत्र, आरक्षित वर्ग से है तो जाति प्रमाण पत्र, आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थी इडब्लूएस प्रमाण पत्र, एक या दो वर्ष का अंतराल होने पर नोटरी द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र सहित सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति एवं छाया प्रति लाना अनिवार्य है।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

आंखों के मेकअप का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं आई लैशेज, कर्ल करते समय रखें इन बातों का ध्यान

चेहरे का आकर्षण बढाने में आंखों का बहुत महत्व होता हैं और इसलिए इसके मेकअप पर भी ध्यान देना जरूरी हो जाता हैं। मगर कुछ महिलाएं आंखों के मेकअप पर उतना ध्यान नहीं देती जितना कि देना चाहिये। अगर आप आंखों का मेकअप नहीं करना चाहती हैं तो सिर्फ आईलैशेज लगाने से भी आंखों को खूबसूरत दिखा सकती हैं। आज के समय में आई मेकअप में आई लैशेज का इस्तेमाल खूब किया जाने लगा है। आईलैशेज आपके चेहरे के आकर्षण को बढ़ाते हुए खूबसूरती को बढ़ाता हैं। महिलाएं आईलैशेज का इस्तेमाल करते समय कुछ गलतियां कर बैठती हैं जिसकी वजह से वह लुक नहीं मिल पाता हैं जिसकी चाहत होती हैं। आज यहां हम आपको आईलैशेज को कर्ल करते समय किन गलतियों से बचना चाहिए, उसकी जानकारी देने जा रहे हैं।

सही आईलैशेज का करें चुनाव

फॉल्स आईलैशेज ओकेजन के अनुसार तय करें। यदि आप ऑफिस जा रहीं तो बहुत डेंस फॉल्स आईलैशेज यूज न करें, बल्कि आप आईलैशेज को काट कर अपनी ओरिजनल लैशेज के बीच में लगाएं। इससे ये ओवरपावर नहीं होंगी। वहीं, शादी या फोटोशूट के लिए आपको हमेशा डेंस फॉल्स आईलैशेज यूज करना चाहिए।

बेस मेकअप से पहले ही कर लें आईलैशेज को कर्ल

ज्यादातर महिलाएं पहले बेस मेकअप करती हैं और फिर आंखों के मेकअप के बाद सबसे अंत में आईलैशेज को कर्ल करती हैं। जिससे आंखों की खूबसूरती छिप जाती है। यदि आप चाहती हैं की आपकी आंखें सुंदर दिखें तो बेस मेकअप से पहले ही आईलैशेज को कर्ल कर लें। ऐसा करने से आंखें की शेप के अनुसार मेकअप करने में आसानी होती है।

लैशेज को पहले से रखें तैयार

अगर आप हीटेड आईलैश कर्लर का इस्तेमाल करती हैं तो यह जरूरी है कि पहले आप अपनी लैशेज पर अतिरिक्त ध्यान दें। इसके लिए आप पहले अपनी लैशेज को क्लीन करें और उसके पूरी तरह सूखने के बाद ही लैशेज पर हीटेड आईलैश कर्लर का इस्तेमाल करें। दरअसल, अगर आपकी लैशेज गीली या नम होगी तो इससे कर्लर अधिक प्रभावी तरीके से काम नहीं करेगा और आपकी लैशेज फिर से वापिस अपने आकार में आ जाएगी।

लैशेज को कर्ल करने से पहले मस्कारा ना लगाएं

आंखों के मेकअप के लिए काजल और मस्कारा का अहम रोल होता है। कुछ महिलाएं मस्कारा और काजल लगाने के बाद आई लैशेज को कर्ल करती हैं। ऐसा करने से लैशेज चिपचिपी हो जाती हैं और मस्कारा बाहर निकलने लगता है और आंखों का मेकअप खराब हो जाता है। इसलिए लैशेज को कर्ल करने के बाद ही काजल और मस्कारा लगाएं।

बहुत अधिक जोर ना लगाएं

आई लैशेज को कर्ल करने के लिए बहुत अधिक जोर लगाने से आई लैशेज टूट जाती हैं या बाहर निकलने लगती हैं। इसलिए महिलाओं को कर्लर का इस्तेमाल हल्के हाथों से और बिल्कुल आराम से करना चाहिए। साथ ही कर्लर पर हमेशा ऊपर की तरफ दबाव देना चाहिए।

फॉल्स लैशेज उतारते समय सावधानी

ग्लू फॉल्स आईलैशेज को हमेशा गीले कॉटन से नम करके उतारें। एक बार यूज होने के बाद दोबारा यूज न करें। वहीं मैग्नेटिक फॉल्स आईलैशेज को आप सूखे हाथों से उतारें और संभाल कर रखें, क्योंकि इन्हें आप दोबारा पहन सकती हैं। कोशिश करें कि लैशेज लगाकर मुंह धोने से बचें। क्योंकि इससे आंखों में इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।

आईलैशेज कर्लर को गर्म करें

कुछ लड़कियां आई लैशेज कर्लर का इस्तेमाल तो करती हैं लेकिन उन्हें इसे सही तरह इस्तेमाल करने का तरीका नहीं मालूम होता है, जिससे आंखों का मेकअप सुंदर नहीं दिखता है। वास्तव में कर्लर का इस्तेमाल करने से पहले इसे ब्लो ड्रायर से हल्का गर्म कर लेना चाहिए। हल्के गर्म कर्लन से आईलैशेज अच्छी तरह कर्ल होती हैं और आंखों की खूबसूरती देखते ही बनती है।

पिंक लुक में एक्ट्रेस पूनम बाजवा की खूबसूरती बना देगी आपको दीवाना

मुंबई में मॉडलिंग से अपने करियर की शुरूआत करने वाली साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस पूनम बाजवा की खूबसूरती और क्यूट स्माइल देखकर किसी का भी दिल धड़क उठे। एक्ट्रेस अपनी

खूबसूरती का जलवा सोशल मीडिया पर बिखरेती रहती हैं। वहीं, पिंक कलर की वन पीस ड्रेस में एक्ट्रेस बेहद ही कातिलाना नजर आ रही हैं। पिंक ड्रेस में एक्ट्रेस पूनम बाजवा बेहद चार्मिंग नजर आ रही हैं। फैंस उनके लुक को काफी पसंद कर रहे हैं। पूनम बाजवा की किलर स्माइल और दिलकश अंदाज किसी का भी दिल जीत ले। मुंबई की रहने वाली पूनम ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की। उन्होंने अपनी पढ़ाई के साथ पार्ट टाइम में मॉडलिंग करना भी शुरू कर दिया था। पूनम एक रैंप शो के लिए हैदराबाद गई हुई थी। उसी दौरान उन पर एक डायरेक्टर की नजर पड़ी और यहीं से पूनम को अपनी पहली फिल्म मिल गई। 12वीं पास करने के बाद कॉलेज शुरू होने में 6 महीने का वक्त था। तो उन्होंने फिल्म में एक्टिंग के लिए हां कर दी। पूनम बाजवा ने साल 2005 में तेलुगु फिल्म मोदती सिनेमा से डेब्यू किया। इसके बाद वो कई साउथ की फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। पूनम बीते साल सुनील रेड्डी के साथ रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। वहीं, वो अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों को फैंस के लिए साझा करती रहती हैं। पूनम बाजवा सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 2.8 मिलियन फॉलोवर्स हैं। साउथ की एक्ट्रेस हर अंदाज में सिंपल और क्यूट लगता हैं। उन्होंने तमिल इंडस्ट्री में एक्टिंग की शुरुआत साल 2008 में की थी।

गोविंदा की फिल्म दुल्हे राजा की रीमेक बना सकते हैं शाहरुख खान

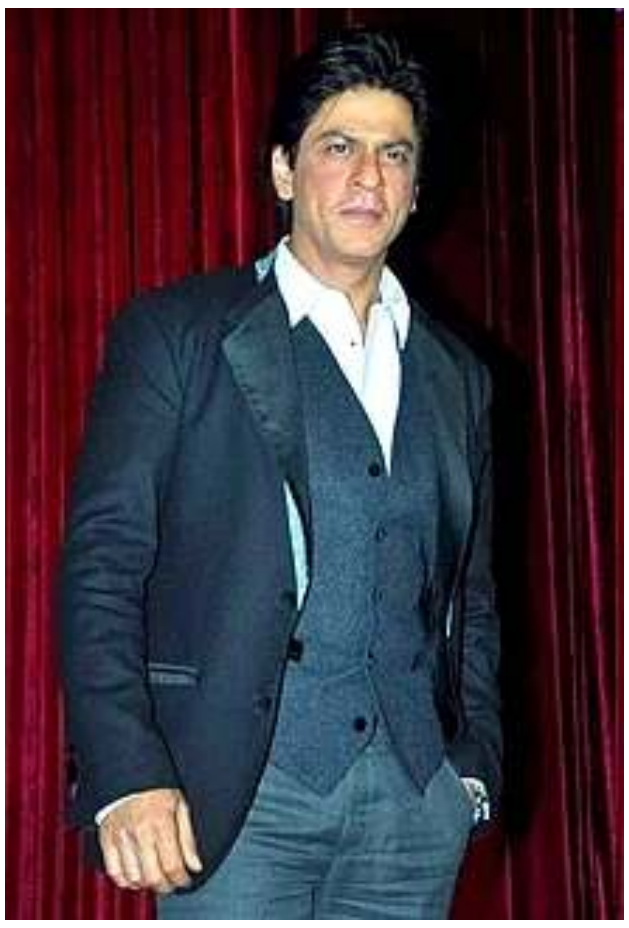

1998 में रिलीज हुई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म दुल्हे राजा ने दर्शकों को खूब हंसाया था। इस फिल्म में गोविंदा का अंदाज लोगों को पसंद आया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब सुनने में आ रहा है कि दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान दुल्हे राजा की रीमेक बनाएंगे। खबरों की मानें तो शाहरुख अपने प्रोडक्शन बैनर के तले इस फिल्म के निर्माण की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, शाहरुख की प्रोडक्शन कंपनी ने दुल्हे राजा की रीमेक बनाने के लिए राइट्स खरीद लिए हैं। एक सूत्र ने बताया, बहुत कम लोग जानते हैं कि शाहरुख वास्तव में कॉमेडी जॉनर के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। दुल्हे राजा उन एंटरटेनर फिल्मों में से एक है, जो उन्हें पसंद है। जब एक सहयोगी ने दुल्हे राजा के राइट्स हासिल करने का विचार सुझाया, तो शाहरुख इस विचार पर सहमत हुए। फरहाद सामजी ने रीमेक की स्क्रिप्ट पर काम शुरू कर दिया है। बता दें कि फरहाद ही सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं। सूत्र ने कहा, फरहाद जो वर्तमान में किसी का भाई किसी की जान पर सलमान के साथ काम कर रहे हैं, दुल्हे राजा के ड्रॉफ्ट को पूरा करने में लगे हैं। उन्हें ऑरिजनल कॉन्सेप्ट को बनाए रखते हुए फ्रेश स्क्रिप्ट लिखने की सलाह दी गई है। कहा जा रहा है कि टीम अब निर्णय लेगी कि फिल्म को आधुनिक दर्शकों के लिए कैसे एक्सप्लोर किया जाए। सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स भी शाहरुख ने प्राप्त कर लिए हैं। सूत्र ने बताया कि अगर फिल्म की स्क्रिप्ट मनमाफिक बनती है, तो शाहरुख की टीम इस प्रोजेक्ट पर आगे काम शुरू करेगी। यदि रीमेक नहीं बनती है, तो फिल्म के टेलीविजन और डिजिटल स्क्रीनिंग से शाहरुख रेवेन्यू अर्जित करेंगे। दुल्हे राजा में गोविंदा के साथ अभिनेत्री रवीना टंडन नजर आई थीं। दोनों की केमिस्ट्री ने लोगों का दिल जीत लिया था। इस फिल्म में कादर खान, प्रेम चोपड़ा और जॉनी लीवर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। हरमेश मल्होत्रा ने इसका निर्देशन किया था। रिपोर्ट के अनुसार, शाहरुख की प्रोडक्शन कंपनी ने दुल्हे राजा की रीमेक बनाने के लिए राइट्स खरीद लिए हैं। एक सूत्र ने बताया, बहुत कम लोग जानते हैं कि शाहरुख वास्तव में कॉमेडी जॉनर के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। दुल्हे राजा उन एंटरटेनर फिल्मों में से एक है, जो उन्हें पसंद है। जब एक सहयोगी ने दुल्हे राजा के राइट्स हासिल करने का विचार सुझाया, तो शाहरुख इस विचार पर सहमत हुए। फरहाद सामजी ने रीमेक की स्क्रिप्ट पर काम शुरू कर दिया है। बता दें कि फरहाद ही सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं। सूत्र ने कहा, फरहाद जो वर्तमान में किसी का भाई किसी की जान पर सलमान के साथ काम कर रहे हैं, दुल्हे राजा के ड्रॉफ्ट को पूरा करने में लगे हैं। उन्हें ऑरिजनल कॉन्सेप्ट को बनाए रखते हुए फ्रेश स्क्रिप्ट लिखने की सलाह दी गई है। कहा जा रहा है कि टीम अब निर्णय लेगी कि फिल्म को आधुनिक दर्शकों के लिए कैसे एक्सप्लोर किया जाए। सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स भी शाहरुख ने प्राप्त कर लिए हैं। सूत्र ने बताया कि अगर फिल्म की स्क्रिप्ट मनमाफिक बनती है, तो शाहरुख की टीम इस प्रोजेक्ट पर आगे काम शुरू करेगी। यदि रीमेक नहीं बनती है, तो फिल्म के टेलीविजन और डिजिटल स्क्रीनिंग से शाहरुख रेवेन्यू अर्जित करेंगे। दुल्हे राजा में गोविंदा के साथ अभिनेत्री रवीना टंडन नजर आई थीं। दोनों की केमिस्ट्री ने लोगों का दिल जीत लिया था। इस फिल्म में कादर खान, प्रेम चोपड़ा और जॉनी लीवर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। हरमेश मल्होत्रा ने इसका निर्देशन किया था। शाहरुख की आखिरी फिल्म जीरो थी, जो 2018 में आई थी। फिल्म ने कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ा था। वह पठान से बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे, जो अगले साल 25 जनवरी को आएगी। वह एटली की जवान को लेकर भी सुर्खियां बटोर रहे हैं।

धनुष–स्टारर नाने वरुवेन का मनोरंजक टीजर आउट

निर्देशक सेल्वाराघवन की आगामी फिल्म नाने वरुवेन की यूनिट, जिसमें उनके अपने भाई धनुष के. राजा मुख्य भूमिका में हैं, ने फिल्म का एक मनोरंजक टीजर जारी किया है। सेल्वाराघवन

ने ट्विटर पर टीजर जारी करते हुए लिखा, अभी टीजर आउट! आशा है कि आप सभी को यह पसंद आएगा। धनुष ने अपनी ओर से कहा, यहां हम चलते हैं !! नाने वरुवेन का टीजर।फिल्म, जिसमें धनुष दोहरी भूमिका में दिखाई देते हैं, धनुष ने नायक और प्रतिपक्षी दोनों की भूमिका निभाई है। टीजर में नायक धनुष को दो बच्चों के एक बिंदास पिता के रूप में दिखाया गया है। वह इंदुजा द्वारा निभाई गई अपनी पत्नी के लिए एक प्यार करने वाले पति के रूप में भी सामने आता है। प्रतिपक्षी धनुष एक शिकारी प्रतीत होता है, जो शिकार करने से पहले अपनी प्रार्थना को चलने देना चाहता है। टीजर फिल्म में धनुष के दोनों किरदारों के बीच टकराव का वादा करता है। फिल्म ने पहले ही संगीत प्रेमियों का ध्यान अपने दिल की धड़कन वीरा सूरा गाने से खींचा है, जिसे संगीत निर्देशक युवान शंकर राजा ने गाया है, जिसने आठ दिनों में रिकॉर्ड आठ मिलियन से अधिक वास्तविक समय में व्यूज प्राप्त किया है। बहुप्रतीक्षित फिल्म इस साल सितंबर में स्क्रीन पर हिट होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अल्फा हाइड्रोक्सी एसिड के इस्तेमाल से त्वचा को मिल सकते हैं ये पांच फायदे

अल्फा हाइड्रोक्सी एसिड (एएचए) प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले रासायनिक यौगिकों का एक समूह है, जो त्वचा को पोषित करने के साथ ही स्वस्थ रखने में अहम भूमिका अदा कर सकते हैं। यही कारण है कि अधिकतर स्किन केयर प्रोडक्ट्स को बनाते समय अल्फा हाइड्रोक्सी एसिड का इस्तेमाल किया जाता है। आइए जानते हैं कि एएचए युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से क्या–क्या फायदे मिल सकते हैं। एक शोध के अनुसार, एएचए त्वचा पर जमी गंदगी और कीटाणु को हटाने में मदद कर सकता है। यही नहीं, त्वचा पर डेड स्किन सेल्स से छुटकारा दिलाने में भी यह कारगर है। यह एक प्रभावी एस्ट्रिंजेंट भी है, जो त्वचा को जवां और स्मूद बनाकर रोमछिद्रों को छोटा करने में मदद कर सकता है। इसलिए एएचए युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना लाभदायक है।

शोध के अनुसार, एएचए एंटी–एजिंग गुणों से समृद्ध होता है, जो त्वचा के कोलेजन उत्पादन को बढ़ाकर महीन रेखाओं और झुर्रियों को कम करने में मदद कर सकता है। बता दें कि कोलेजन प्राकृतिक रूप से त्वचा में मौजूद होता है, जो त्वचा को टाइट और मुलायम रखता है, लेकिन अगर किसी कारणवश इसका उत्पादन कम हो जाए तो त्वचा पर समय से पहले बढ़ती उम्र के प्रभाव उभारने लगते हैं।

अगर आप हाइपरपिग्मेंटेशन और किसी भी तरह के दाग–धब्बों आदि से छुटकारा चाहते हैं तो एएचए युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना शुरू कर दें। दरअसल, यह आपकी त्वचा को जवां बनाने के साथ–साथ रंगत को सुधारने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, यह मेलास्मा (त्वचा की बीमारी) का भी इलाज कर सकता है। कई शोध के अनुसार, एएचए चार हफ्तों में मेलास्मा को 50 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

शोध के मुताबिक, एएचए मुंहासों से राहत दिलाने में भी काफी मदद कर सकता है। दरअसल, एएचए में एंटी–बैक्टीरियल प्रोपर्टीज मौजूद होती हैं, जो त्वचा से अतिरिक्त तैलीय प्रभाव को कम करके मुंहासों को प्रभावी ढंग से दूर करने में काफी मदद कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त, यह ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स से छुटकारा दिलाने में काफी सहयोग प्रदान कर सकता है।

अगर सूरज के अधिक संपर्क में आने के कारण आपकी त्वचा जल गई है तो आप इसे ठीक करने के लिए भी एएचए युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, इसमें एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–ऑक्सीडेंट और हीलिंग गुण शामिल होते हैं, जो सूरज के संपर्क में आने की वजह से जली त्वचा को जल्द ठीक करने में मदद कर सकते हैं। इसी के साथ यह त्वचा को हाइड्रेट रखने में भी सहायक साबित हो सकता है।